संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 147
पृष्ठ 8
रविवार
15 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चेहरे पर हल्दी और गुलाब जल...

विचार- राहुल गांधी पर भाजपा का...

खेल- टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर...

नौकरी की गारंटी होगी वानिकी विश्वविद्यालय की डिग्री : योगी

जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का सीएम ने किया उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहे प्रदेश के पहले वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी की डिग्री नौजवानों के लिए नौकरी की गारंटी होगी। विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं के लिए देश और दुनिया में रोजगार के व्यापक अवसर होंगे। विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।सीएम योगी शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में बने गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हमारे लिए किसी ने कुछ किया तो उसके प्रति कृतज्ञ होना हमारी जीवनशैली का हिस्सा है। गिद्धराज जटायु की मानव जाति पर बड़ी कृपा रही। माता सीता का हरण कर ले जा रहे रावण का पहला प्रतिकार गिद्धराज जटायु ने किया था। वह सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु की सवारी भी हैं। आज केमिकल और पेस्टिसाइड्स के इस्तेमाल के चलते गिद्धराज की संख्या कम होती जा रही, वे मर रहे हैं। ऐसे में गिद्धराज के प्रति कृतज्ञता जताने और उनको संरक्षण देने के लिए कैम्पियरगंज में संरक्षण केंद्र बनाया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कैम्पियरगंज में प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। यहां युवाओं को जो

डिप्लोमा व डिग्री मिलेगी, वह देश–दुनिया में नौकरी की गारंटी वाली होगी। आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण की है। वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होंगे और धीरे–धीरे पूरा शरीर खराब हो जाएगा। जब प्रदूषण नहीं होगा तो बीमारी भी नहीं होगी। उन्होंने वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली की चर्चा करते हुए कहा कि वहां डॉक्टर दमा रोगियों, बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह देते हैं। यह स्थिति पर्यावरण के साथ खिलवाड़ से बनती है। उत्तर प्रदेश में विकास भी है और दमघोंटू वातावरण से मुक्ति भी। कैम्पियरगंज में वानिकी विश्वविद्यालय पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने में और कारगर सिद्ध होगा। वनाच्छादन बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि का भी नया प्रयास होगा। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद प्रदेश और गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जब नीयत साफ हो तो परिणामअपने आप आ जाते हैं। अच्छी दिशा में किए गए प्रयास से आज गोरखपुर में खाद कारखाना चालू हो चुका है। गोरखपुर में एम्स सेवाएं दे रहा है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का उत्कृष्ट केंद्र बन चुका है। पिपराइच में चीनी मिल दोबारा चालू हो गई है। धुरियापार में कम्प्रेस्ड बायो गैस का प्लांट लग चुका है। गीडा में उद्योग ही उद्योग नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और प्रदेश में विकास के बहुत बड़े–बड़े कार्य हो रहे हैं। विकास की सोच ही वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायक होगी मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया ब्लॉक के हर गांव से जुड़ाव का जिक्र किया। वह यहां एक–एक गांव गए हैं। हर गांव की समस्या जानते हैं, समस्या समाधान के लिए संघर्ष किया है। बाढ़ की स्थिति में पानी में घुसकर लोगों तक पहुंचे हैं। समस्याओं की तस्वीर पहले से सामने थी तो लखनऊ से उन समस्याओं का समाधान करा दिया है। जंगल कौड़िया ब्लॉक व कैम्पियरगंज विधानसभा क्षेत्र में आज विकास की जो स्थिति है, वह लोगों की कल्पनाओं से भी परे है। कालेसर–जंगल कौड़िया बाईपास बन जाने से लोग सीधे लखनऊ पहुंच जाते हैं, वह भी सिर्फ तीन–साढ़े तीन घंटे में। चिउटहा से कुशीनगर जाने में सिर्फ आधा घंटा लगता है। क्षेत्र की हर प्रमुख सड़क फोरलेन हो गई है। बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है। जंगल कौड़िया में पूज्य ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में डिग्री कॉलेज बन गया है। यहां 2 हजार से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा मिल रही है। स्टेडियम बन गया है। कुश्ती के प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधा से क्षेत्र के पहलवानों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। विकास के साथ ही गरीबों के कल्याण के कार्य हुए हैं। आवास, शौचालय, राशन, आयुष्मान भारत, पेंशन का लाभ हर पात्र को उपलब्ध हुआ है। यह सब विकास के प्रति भाव रखने का ही परिणाम है। मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया के पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय रामपति यादव को भी श्रद्धापूर्वक याद किया।

एनसीपी के विलय को लेकर संजय राउत का बड़ा दावा, कहा- शरद पवार के फिर राज्यसभा जाने पर एमवीए करेगा मंथन

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार

आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इस बारे में चर्चा करेगा। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर कहा कि दोनों दलों को विलय संभव नहीं है। संजय राउत ने कहा, श्मैंने शरद पवार साहब से बात की। मैंने इस बारे में उनकी राय पूछी (क्या वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे)। उन्होंने मुझे बताया कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने मुझे बता दिया है।श संजय राउत ने आगे कहा कि शरद पवार देश के एक वरिष्ठ राजनेता हैं, जिन्हें लगभग 60 साल का कानूनी अनुभव है। संजय राउत ने कहा कि पवार साहब ने कांग्रेस को अपनी स्थिति बता दी है कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। बता दें कि, शरद पवार गुट की एनसीपी एसपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सेना शिवसेना यूबीटी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में शामिल हैं।

राहुल गांधी पर भाजपा का बड़ा हमला, निशिकांत दुबे बोले- ऐसा महामूर्ख विपक्ष का नेता नहीं देखा

नयी दिल्ली, एजेंसी। निशिकांत दुबे ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर दिए गए वीडियो बयान की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'महामूर्ख' विपक्ष नेता बताया और किसानों की सुरक्षा तथा निर्यात को बढ़ावा देने के केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का बचाव किया। दुबे ने एएनआई से कहा कि मैंने इस देश में ऐसा 'महामुर्ख' विपक्ष नेता कभी नहीं देखा। कपास किसानों की

सुरक्षा के लिए पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी ने 11% आयात शुल्क लागू किया है। किसानों की सुरक्षा के बाद, कपड़ा क्षेत्र को कैसे मुक्त किया जाए और उसे प्रतिस्पर्धी बनाया जाए, क्योंकि हम वियतनाम से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं – इसके लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दुबे ने कहा कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के तहत लघु निर्यातकों पर शून्य शुल्क लगेगा और उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी बकवास फैलाने और दूसरों को उकसाने में मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते में भी, हमारे निर्यातकों, जो लघु उद्योग चलाते हैं और सबसे अधिक निर्यात करते हैं, पर शून्य प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अगर किसी को बकवास करना, दूसरों को उकसाना और देशद्रोह करना सीखना है, तो उसे राहुल गांधी से सीखना चाहिए। ये टिप्पणियां गांधी द्वारा हाल ही में समझौते की आलोचना के जवाब में आईं, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और कपड़ा निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। गांधी ने कहा कि जहां भारतीय वस्त्रों पर अमेरिका में 18 प्रतिशत टैरिफ लगता है, वहीं बांग्लादेश को अमेरिकी कपास आयात करने की शर्त पर वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का लाभ दिया जा रहा है। नीतिगत ढांचे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कपास का आयात घरेलू किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, जबकि इसका आयात न करने से कपड़ा उद्योग को नुकसान होगा। उन्होंने आगे दावा किया कि बांग्लादेश भारत से कपास आयात में संभावित कमी या रोक के संकेत दे रहा है, जिससे भारतीय उत्पादकों की स्थिति और खराब हो सकती है।

असम में पुलवामा का जिक्र, पीएम बोल

कांग्रेस आतंकियों को कंधे पर बिठाती है

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में इस साल विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को आज विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे पर आज राज्यवासियों को संबोधित भी किया। उन्होंने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी– कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। उन्होंने भाजपा के पक्ष में जनादेश का भरोसा जताते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार चुनेगी। कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर

को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आवंटित करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छक।) सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए आज लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया।

पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ही पुलवामा हमले की बरसी है। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले मां भारती के वीर सपूतों को नमन करता हूं। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। जम्मू–कश्मीर के ही पहलगाम में अप्रैल, 2025 में दहशतगर्दों की कायराना करतूत का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, अभी आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है।

पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में मौजूद जनता से पूछा, श्मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कभी कांग्रेस में देशहित के लिए इतनी हिम्मत के साथ फैसले करने की ताकत थी क्या? वो ज्यादा से ज्यादा बयान दे सकते हैं।श प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो... जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा, श्आज की कांग्रेस हर उस विचार... हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है... जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े–टुकड़े करने का सपना देखते हैं... जो लोग, नॉर्थईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं... वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं।श पीएम मोदी ने कहा, आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया। अब आज की कांग्रेस, मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी डडब बनकर फिर देश को बांटने में लग गई है। इसलिए आपको कांग्रेस से सावधान रहना है और असम की जनता को भी सावधान करना है। पीएम मोदी ने कहा, बड़ी–बड़ी आम सभाएं करने का तो बहुत अवसर मिलता है। जनता जनार्दन के दर्शन करना, उनसे संबोधन करना लगातार चलता रहता है। इन सबके बीच असम के बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं के दर्शन करना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है।

ट्रेड डील ने टेक्सटाइल उद्योग को खत्म कर दिया

● व्यापार समझौते पर राहुल गांधी का फिर बड़ा हमला।

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र

सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगाया घेर रहे हैं। इसी के साथ वो लगातार टैरिफ का मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की। वहीं अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा। कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया।

कांग्रेस के आरोपों पर भड़के पीयूष गोयल, बोले

राहलु गांधी को अर्थशास्त्र की कोई समझ नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सियासत जारी है। विपक्ष केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष के नेता राहुल

गांधी लगातार इस समझौते को लेकर सवाल खड़े कर रहे है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों की समझ पर सवाल उठाते हुए उनकी आलोचना की। एक सभा को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने मौजूदा व्यापार ढांचे का बचाव किया और दावा किया कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता और मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज तक मुझे समझ नहीं आता कि राहुल गांधी जैसे मूर्ख व्यक्ति को विपक्ष का नेता कैसे नियुक्त कर दिया गया। कांग्रेस पार्टी यह समझने में असमर्थ है कि अर्थशास्त्र की कोई समझ न रखने वाला, झूठ, छल और ट्वीट के सिवा कुछ न देने वाला व्यक्ति सच्चाई से हजारों मील दूर है। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और इसकी मांग भी बढ़ेगी।

राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार दोहराओ : अमित शाह

करईकल, एजेंसी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत–अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया और झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है। शाह ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह सुरक्षित किए गए हैं।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी आरोप लगाया कि वह झूठ फैला रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा की एक रैली में शाह ने कहा कि राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने

की नई परंपरा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार–बार दोहराओ। शाह ने कहा कि लेकिन लोग अब आपकी झूठ फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

इसके साथ ही शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले यूपीए सरकार के दौरान किसानों के हितों की अनदेखी हुई और उनका फायदा नहीं हुआ। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी भरोसा जताया कि 2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा–नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी में आयोजित रैली में पुडुचेरी के तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि नारायणासामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलकर कहा कि पीजी और डिप्लोमा सीटों की नीलामी की गई और अनुसूचित जाति–जनजाति के आरक्षित सीटें भी अमीरों को बेच दी गईं। उन्होंने कहा कि परिवहन माफियाओं को जनता को परेशान करने की पूरी आजादी दी गई थी।

उन्होंने बताया कि पिछली पांच साल में कांग्रेस ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का माहौल बनाया था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदलकर व्यवस्था और विकास की ओर ले जाया है। अब अगले पांच साल में पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य है।

ट्रेन की चपेट में आने से रेलवे में तैनात मेठ की मौत

प्रयागराज। छिवकी स्टेशन पर रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के मेठ पद पर कार्यरत कर्मचारी की बृहस्पतिवार शाम को छिवकी यार्ड में ट्रेन की संटिंग के दौरान चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को मोर्चरी भेजा। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। मांडा थाना क्षेत्र के प्रयागपुर नेहवाई गांव निवासी राम चंद्र पटेल (56) रेलवे इंजीनियरिंग विभाग में मेठ पद पर कार्यरत थे। बृहस्पतिवार शाम को छिवकी स्टेशन से ट्रेन को यार्ड में संटिंग कराने के दौरान वह चपेट में आ गए। सूचना पर आरपीएफ के कांस्टेबल आरपी यादव पहुंचे और जानकारी रेलवे कर्मचारियों के साथ आरपीएफ व जीआरपी को दी।

पीडब्ल्यूई विभाग ने बताया कि राम चंद्र शाम को पेट्रोलिंग स्टॉफ को टूल बॉक्स देने गया था, इस दौरान लाइन पार करते समय संटिंग हो रही ट्रेन की चपेट में आ गया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव घर पहुंचा तो पत्नी पार्वती, बेटे राजेंद्र, पवन व जीत कुमार बेसुध हो गए।

बदमाशों ने खाते से 80 हजार रुपये निकाले

प्रयागराज। कस्बे में शुक्रवार सुबह ठगों से एटीएम से 80 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने तहरीर पर मामले की जांच में जुट गई है। करुआडीह गांव निवासी महेश कुमार के खाते से फूलपुर कोतवाली के बगल स्थित एटीएम से 80 हजार रुपये निकाल लिए गए।

महेश कुमार ने बताया कि वह अपने पैसे निकालने के लिए एटीएम गया था। जैसे ही उन्होंने डेबिट कार्ड एटीएम में डाला, वह फंस गया। इस दौरान वहां खड़े एक संदिग्ध युवक ने उन्हें यह कहते हुए बैंक शाखा जाने की सलाह दी कि शाखा प्रबंधक से बात करें, तभी कार्ड बाहर आएगा। महेश जैसे ही एटीएम से निकले पहले से मौजूद अज्ञात बदमाशों ने उनका कार्ड निकाल लिया और खाते से 80 हजार रुपये निकाल लिए।

विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने सास को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस ने विवाहिता की मौत के मामले में शुक्रवार को सास को भी गिरफ्तार किया है। वहीं, अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। 25 जनवरी को मेजा थाना क्षेत्र के कठौली गांव के सतीश कुमार पटेल की पत्नी साधना पटेल (20) का शव कठौली रेलवे क्रॉसिंग के समीप रेलवे ट्रैक पर मिला था। साधना के भाई विजय सिंह पटेल निवासी ददरी तालुका नौगवा डांड़ी थाना नैनी ने दहेज में दो लाख नकद और जंजीर न देने पर ससुरालियों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पति, ससुर, सास, ननद और मामा के खिलाफ मेजा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें पुलिस ने पति और ससुर को पहले ही गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को कठौली से ही सास आरती देवी को गिरफ्तार किया गया। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही वह भी पकड़े जाएंगे।

मछली लदा पिकअप पलटा, चालक घायल

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के रहीम पट्टी नेशनल हाईवे पर शुक्रवार सुबह मछली लदा पिकअप बैरिकेडिंग से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक जख्मी हो गया। सूचना पर उतरांव पुलिस और एनएचएआई की टीम घटनास्थल पर पहुंची। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त पिकअप को सड़क से हटवाया गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में चालक को हल्की चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। दुर्घटना के चलते कुछ देर तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा।

ओवरटेक करने के विवाद में रोडवेज बस का शीशा तोड़ा

प्रयागराज। रोडवेज बस को ओवरटेक करने के विवाद में बाइक चालक ने शीशा तोड़ दिया। चालक की तहरीर पर पुलिस ने बस का शीशा तोड़ने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। रोडवेज बस चालक महेंद्र कुमार पटेल बुधवार को प्रतापगढ़ से बस लेकर प्रयागराज जा रहे थे। फाफामऊ पुल के पास मेजा थाना क्षेत्र के शुकुलपुर गांव का शिवम तिवारी बस को ओवरटेक करने लगा। ओवरटेक करके बस के आगे बाइक रोक दी। इसके बाद चालक से विवाद हुआ तो वह ईंट–पत्थर से बस का शीशा तोड़ने लगा। चालक की तहरीर पर बृहस्पतिवार को पुलिस ने शिवम तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

लापता युवक का खेत में मिला शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के रेरूआ गांव में शुक्रवार को सुबह किसान रामधन के सरसों के खेत में युवक का शव मिलने पर खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी इंचार्ज मंसूराबाद संतोष कुमार राय ने बताया कि युवक की पहचान रवि प्रकाश शुक्ला उर्फ नानहू (30) निवासी सम्हई, थाना नवाबगंज के रूप में हुई है। युवक दो दिन से लापता था।

मनरेगा बहाली की मांग पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पदयात्रा कर सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। मनरेगा की बहाली को लेकर शुक्रवार को फूलपुर कस्बे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया। गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता गोमती इंटर कॉलेज से पदयात्रा निकालते हुए तहसील परिसर पहुंचे। परगना मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर योजना को बहाल करने की मांग की गई।

अशफाक अहमद ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर 100 दिनों तक गांव–गांव चौपाल लगाएगी और जनता को जागरूक करेगी। अनुपम कृष्ण द्विवेदी ने कहा कि योजना को बंद करने से मजदूरों पर आर्थिक संकट गहरा जाएगा। विशिष्ट अतिथि शरद उपाध्याय मुन्ना, डॉ. जगत नारायण सिंह ने भी विचार वक्त किए।

संचालन विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय ने किया। यहां उपाध्यक्ष निशा सिंह, रामसिंह पटेल, राम मनोरथ सरोज, आशीष पांडेय, सुनील पांडेय, सायरा आयशा, सूफिया बानो, डॉ. अमर सिंह पटेल, विनोद तिवारी, पुष्पा चौधरी, सुरेश पटेल, सुनीता देवी, संगीता देवी, सितारा देवी, कंचन देवी मौजूद रहीं।

ग्रामीणों ने मनरेगा बचाने की शपथ ली

कांग्रेस यमुनापार के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह पटेल के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के अंतर्गत पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा की अगुवाई बृजेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मनरेगा कानून में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में आवाज बुलंद की। बृजेंद्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र के हर गांव में लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला और ग्रामीणों ने मनरेगा बचाने की शपथ ली। पदयात्रा में गुलाब कली, शिवनारायण सिंह पटेल, रमेश कुशवाहा, रामबदन सिंह, शेख असलम, अच्छे लाल सिंह, मथुरा प्रसाद और कल्लू आदिवासी आदि रहे।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी– लंबित आरोप पत्रों की जानकारी देने में जिला अदालतें फिसड्डी, एक हफ्ते की दी मोहलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रदेश की जिला अदालतों में लंबित आपराधिक मामलों में दशकों तक आरोप तय नहीं होने से नाराज है। कोर्ट ने कहा कि लेटलतीफी करने वाले जिला जजों को आगरा के जिला जज से नसीहत लेनी चाहिए। नाराज कोर्ट ने एक सप्ताह की मोहलत दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रदेश की जिला अदालतों में लंबित आपराधिक मामलों में दशकों तक आरोप तय नहीं होने से नाराज है। इससे भी ज्यादा उन जिला जजों से खफा है, जिन्होंने दिसंबर में लंबित मामलों की तलब की गई जानकारी आधी–अधूरी दी या फिर अपने अधीनस्थों के जरिये पेश कर खानापूरी की। कोर्ट ने इसे न्यायिक अनुशासनहीनता मानते हुए ऐसे जिला जजों को विस्तृत जानकारी देने के लिए एक हफ्ते की आखिरी मोहलत दी है।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने उन जिला जजों को आगरा के जिला जज से सीख लेने की नसीहत दी है, जिन्हें रिपोर्ट बनाने में दिक्कत महसूस हो रही है। मामले में 27 फरवरी को सुनवाई होगी। कोर्ट प्रयागराज की याची उर्मिला मिश्रा की याचिका पर सुनवाई कर रहा है।

कहा कि दशकों से आरोप तय न होना न्यायिक अनुशासन का उल्लंघन है। यह सीधे तौर पर कानून के शासन को प्रभावित करता है। इससे पहले कोर्ट ने 16 दिसंबर को प्रदेश के सभी जिला जजों से रिपोर्ट तलब कर पूछा था कि 2004 से 2024 के बीच ऐसे कितने आरोप पत्र दाखिल हुए हैं, जिनमें अब तक आरोप तय नहीं हो सके।

रिपोर्ट भेजने में आगरा नंबर वन, नसीहत लें दूसरे जिले

कोर्ट ने पाया कि आदेश के अनुपालन में आगरा जिला जज नंबर वन है। कोर्ट ने कहा कि इनसे फिसड्डी जिलों को सीखना चाहिए कि रिपोर्ट कैसे बनाई जाती है। हालांकि, आगरा के अलावा बुलंदशहर, फर्रुखाबाद और अयोध्या के जिला जजों की रिपोर्ट से कोर्ट पूरी तरह संतुष्ट नजर आई।

प्रयागराज समेत 42 जिलों ने आधी–अधूरी तो 26 ने भेजी ही नहीं रिपोर्ट

कोर्ट ने पाया कि मथुरा, आजमगढ़, उन्नाव और वाराणसी सहित 13 जिलों की रिपोर्ट अधूरी थी। क्योंकि, उन्होंने साल–दर–साल का विवरण नहीं दिया था। वहीं, लखनऊ, गाजियाबाद, कानपुर और प्रयागराज, वाराणसी समेत 29 जिलों ने उन मामलों की संख्या नहीं बताई, जो दशकों से लंबित हैं। रिपोर्ट भेजने में पूरी तरह विफल रहे 26 जिला जजों ने समय बढ़ाने तक की मांग नहीं की।

अधीनस्थों के जरिये भेजी रिपोर्ट से नाराजगी

कोर्ट ने इस पर भी नाराजगी जताई कि उन्नाव, गाजियाबाद और हापुड़ जैसे जिलों ने अपनी रिपोर्ट जिला जज के हस्ताक्षर के बजाय अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से भेजी है। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट जिला जजों से मांगी गई थी, अधीनस्थों से नहीं।

ऐसा लगता है कि अधूरी और रिपोर्ट नहीं भेजने वाले जिले दशकों से लंबित मामलों की जानकारी छिपा रहे हैं। उनकी कार्यशैली कर्तव्य पालन में लापरवाही है या अवमानना, इसका फैसला उचित समय पर लिया जाएगा। – इलाहाबाद हाईकोर्ट

राज्यपाल शिव प्रसाद बोले: देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ना है बेहद जरूरी

प्रयागराज। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा है कि हमारे वेद और उपनिषद में भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में बेहद ही सार्थक बातें कही गई हैं। पर आज हमारे वेद और उपनिषद के अनुसार कोई भी कार्य नहीं हो रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा है कि हमारे वेद और उपनिषद में भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में बेहद ही सार्थक बातें कही गई हैं। पर आज हमारे वेद और उपनिषद के अनुसार कोई भी कार्य नहीं हो रहे हैं। ब्रह्म एक है लेकिन आज ब्रह्म को भी भुला दिया गया है। शिव प्रताप शुक्ला ने यह बातें शनिवार को गोविंद बल्लभ पंत संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि कहीं।

पंत संस्थान में शनिवार को भारतीय ज्ञान परंपरारू दार्शनिक आधार, साहित्यिक संस्रोत और लोक परंपराए विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भारतीय बौद्धिक विरासत के बहुल, संवादात्मक और जीवंत आयामों पर भी बात की गई। राज्यपाल ने आगे कहा कि हम लोगों ब्रह्म को भुलाकर पश्चिमी सभ्यता की ओर ज्यादा चले गए हैं। यह हमारे ज्ञान परंपरा के बिल्कुल ही विपरीत है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति का समावेश हमारे भारतीय ज्ञान परंपरा में भी है। कहा कि आज हमें उसे फिर से उसे तलाश करने की आवश्यकता है, जिससे हम अपनी ज्ञान परंपरा के अनुरूप देश को और समाज को आगे ले जा सकें। हमारी ज्ञान परंपरा को आज उच्च शिक्षा से भी जोड़ने की आवश्यकता है। ताकि हमारे युवा पीढ़ी अपनी ज्ञान परंपरा के बारे में जाने समझे और उसे आत्मसात करके आगे बढ़े। तभी राष्ट्र और समाज का विकास संभव है।

प्रयागराज को जल्द मिल सकती है अमृत भारत ट्रेन की सौगात, तैयारी शुरू

प्रयागराज। संगम नगरी को जल्द ही अमृत भारत ट्रेन की सौगात मिल सकती है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) अब प्रयागराज जंक्शन से अमृत भारत ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है। यहां से मुंबई या पुणे रूट के लिए अमृत भारत ट्रेन चलाई जा सकती है। इसे लेकर एनसीआर मुख्यालय स्तर पर हलचल तेज हो गई है और संबंधित विभाग से इसकी व्यवहार्यता रिपोर्ट मांगी गई है।

हाल ही में जारी एक आधिकारिक पत्र के अनुसार एनसीआर मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक (सीपीटीएम) अजय प्रताप सिंह ने मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) प्रयागराज से इस संबंध में पूछा है कि क्या प्रयागराज कोचिंग डिपो में अमृत भारत ट्रेनों के प्राइमरी मेंटेनेंस और अन्य जरूरी तकनीकी इंतजाम किए जा सकते हैं। उनके इस पत्र से स्पष्ट हो गया है कि रेलवे प्रशासन प्रयागराज से पहली अमृत भारत ट्रेन चलाने जा रहा है।

मौजूदा समय में प्रयागराज के सूबेदारगंज और छिवकी स्टेशन पर कुछ अमृत भारत ट्रेनों का ठहराव है। हालांकि, अभी एनसीआर के किसी भी स्टेशन से अमृत भारत ट्रेन नहीं चलाई जा रही है। अब सीपीटीएम द्वारा डीआरएम प्रयागराज को भेजे गए पत्र के बाद चर्चा इस बात की है कि मुंबई या पुणे के लिए प्रयागराज जंक्शन से एनसीआर की पहली अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत हो सकती है।

तमाम खूबियों से लैस है अमृत भारत ट्रेन

अमृत भारत ट्रेन अपनी हाई–स्पीड और आधुनिक सुविधाओं के लिए जानी जाती है। यह पुश–पुल तकनीक पर आधारित है, जिसमें ट्रेन के आगे और पीछे दोनों तरफ इंजन लगे होते हैं। इससे ट्रेन की रफ्तार और पिकअप दोनों में सुधार होता है। यह विशेष रूप से आम यात्रियों के लिए कम किराये में बेहतर सुविधाओं वाली ट्रेन मानी जाती है। यह नॉन–एसी, लंबी दूरी की सस्ती स्लीपर सेवा है। इसमें आधुनिक एलईडी लाइटिंग, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, बेहतर सीटें और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं हैं, जिससे यात्रा किफायती और आरामदायक बनती है।

जल्द भेजी जाएगी रिपोर्ट

वहीं, चर्चा इस बात की है कि प्रयागराज से अमृत भारत ट्रेनों के संचालन की संभावनाओं पर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपी जाए, ताकि आगे की कार्रवाई शुरू हो सके। प्रयागराज से दिल्ली, पुणे, मुंबई या अन्य प्रमुख शहरों के लिए नई अमृत भारत ट्रेनें पटरी पर दौड़ती नजर आ सकती हैं।

एनसीआर के सीपीटीएम के यहां से जारी पत्र में प्रयागराज जंक्शन से अमृत भारत ट्रेनों के संचालन की व्यवहार्यता जांचने के निर्देश दिए गए हैं। मेंटेनेंस और अन्य तकनीकी पहलुओं की समीक्षा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

– शशिकांत त्रिपाठी, सीपीआरओ, एनसीआर

बीएनएसएस की धारा–175 तीन के तहत मजिस्ट्रेट हर मामले में एफआईआर का आदेश देने के लिए बाध्य नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा–175(3) के तहत आवेदन मिलने पर मजिस्ट्रेट प्रत्येक मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के लिए बाध्य नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा–175(3) के तहत आवेदन मिलने पर मजिस्ट्रेट प्रत्येक मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के लिए बाध्य नहीं है। वह अपने न्यायिक विवेकानुसार ऐसे आवेदन को शिकायत के रूप में भी दर्ज कर सकता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की एकल पीठ ने प्रदीप कुमार की याचिका खारिज कर दी। कानुपर देहात निवासी याची प्रदीप कुमार ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष बीएनएसएस की धारा–175(3) के तहत आवेदन दायर किया था। आरोप लगाया था कि उनके भाई संदीप पर जानलेवा हमला किया गया। साथ ही पैर कांटेदार तार से बांधकर बाइक से उसे घसीटा गया, जिससे पैर कट गया था। शिकायत के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन किया। सीजेएम कानपुर देहात ने आवेदन को एफआईआर के बजाय शिकायत के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया तो उन्होंने फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद माना कि बीएनएसएस की धारा–175(3) के प्रावधान काफी हद तक पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा–156(3) के समान हैं।

दूल्हे का सांवला रंग देख वधू पक्ष ने शादी से किया इन्कार

प्रयागराज। शादी से पहले दूल्हे का सांवला रंग देख वधू पक्ष ने शादी से इन्कार कर दिया। इसके बाद वर पक्ष ने मामले की शिकायत थाने में की। मऊआइमा थाना क्षेत्र से 14 फरवरी को बरात रानीगंज क्षेत्र में जानी थी। मगर 11 फरवरी को अचानक कन्या पक्ष ने दूल्हे का रंग सांवला होने की बात कहते हुए शादी से इन्कार कर दिया। वर पक्ष ने बृहस्पतिवार को रानीगंज थाने में तहरीर दी। पुलिस ने समझौता कर मामले को हल करने की सलाह दी। शुक्रवार को दिनभर मऊआइमा धर्मशाला में चली पंचायत में वर और वधू पक्ष के लोगों में जमकर कहासुनी हुई।

गर्भवती की मौत मामले में एक आरोपी हिरासत में, क्लीनिक सील करने की तैयारी

प्रयागराज। आटा गांव की 22 वर्षीय गर्भवती महिला अंगूरा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं पुलिस ने नामजद आरोपियों में से एक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। यदि क्लीनिक के संचालन में अनियमितता पाई गई तो संबंधित विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर, घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वे फिर से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

कबाड़ बेचकर रेलवे ने कमाए 276 करोड़ रुपये

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025–26 के खत्म होने से करीब डेढ़ महीने पहले ही स्क्रैप (कबाड़) बेचकर मोटी कमाई का रिकॉर्ड बना दिया है। रेलवे बोर्ड ने उत्तर मध्य रेलवे को इस साल के लिए 275 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया था। वहीं, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक शशि प्रकाश द्विवेदी के मार्गदर्शन में मिशन मोड पर काम करते हुए रेलवे ने 12 फरवरी 2026 तक ही 276.43 करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र कर लिया है। खास बात यह है कि अभी वित्तीय वर्ष खत्म होने में 45 दिन बाकी हैं, जिससे इस आंकड़े के और ऊपर जाने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल यानी 12 फरवरी 2025 तक रेलवे ने 229.26 करोड़ रुपये का कबाड़ बेचा था। इस साल की कमाई पिछले साल के मुकाबले 20.57 प्रतिशत अधिक है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि स्क्रैप का निस्तारण केवल राजस्व के लिए ही नहीं, बल्कि रेल परिसरों को साफ–सुथरा और सुरक्षित रखने के लिए भी जरूरी है। पटरियों के किनारे पड़े पुराने लोहे, कोच के हिस्सों और अनुपयोगी मशीनरी को हटाकर रेलवे जीरो स्क्रैप का लक्ष्य हासिल करना चाहता है। कहा कि इस उपलब्धि के लिए जीएम एनसीआर नरेश पाल सिंह ने अफसरों को बधाई दी है।

खेलने से हड्डियां होती हैं मजबूत : प्रेरणा गौतम

प्रयागराज। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बारा (गड़रा) में शुक्रवार से दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ उपजिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम ने किया। प्रेरणा गौतम ने छात्र–छात्राओं को एक–एक पौधे लगाने का दिलाया। कहा कि खेलने–कूदने से शरीर की मांसपेशियां व हड्डियां मजबूत होती हैं और हमारा ऊर्जा स्तर बढ़ता है। कॉलेज के प्रबंधक शिवम मिश्र ने उपजिलाधिकारी बारा का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी देवांशिका सिंह, सुशीला रानी, प्रधानाचार्य प्रसून मिश्र, मानसी शर्मा, तुषार, विजयराज प्रजापति, दिलीप विश्वकर्मा, अभिषेक मौजूद रहे।

आनापुर–शकरदहा मार्ग जर्जर, शिवरात्रि पर कठिन होगी डगर

प्रयागराज। आनापुर–शकरदहा मार्ग बेहद जर्जर हो चुका है। जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं। जिस वजह से लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। शिवरात्रि पर इसी रास्ते पर पड़ने वाले लक्ष्मणेश्वर शिव महादेव मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की डगर कठिन होगी। ग्रामीणों के मुताबिक यही सड़क आगे प्रतापगढ़ तक जाती है। इस मार्ग से 10 से ज्यादा गांव के लोगों का आवागमन होता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सड़क मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जेई लोक निर्माण विभाग सरिता ने बताया कि प्रस्ताव भेजा गया है, फरवरी के अंत तक सड़क का मरम्मतीकरण शुरू होगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरा गांव में युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए हैं। गौरा निवासी सत्येंद्र तिवारी उर्फ किनकऊ की पत्नी भारती गांव में ब्यूटी पार्लर संचालित करती हैं। बीते नौ फरवरी को दोनों के बीच विवाद हुआ था। मामला इतना बढ़ा कि पुलिस तक बात पहुंच गई। पुलिस ने दोनों को समझा–बुझाकर शांत कराया। बृहस्पतिवार को दोबारा दंपती में कहासुनी हो गई। विवाद के बाद भारती ने सिंदूर खा लिया। परिजन उसे अस्पताल ले गए और शुक्रवार सुबह घर लौटे। इसी बीच सत्येंद्र अपने कमरे में पंखे पर फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य संकलित किए। परिजनों ने बताया कि सत्येंद्र मुंबई में निजी नौकरी करता था और एक सप्ताह पहले ही गांव आया था। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हर पहलू की जांच की जा रही है।

प्रतियोगी छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, छात्रा समेत पांच छात्रों पर परेशान करने की एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। शहर के जार्जटाउन में प्रतियोगी छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। उसके पिता फतेहपुर में होमगार्ड हैं। पिता ने साथ में कोचिंग पढ़ने वाली एक लड़की समेत पांच छात्रों पर आत्महत्या के लिए उकसाने और फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देने की तहरीर थाने में दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। शहर के जार्जटाउन में प्रतियोगी छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। उसके पिता फतेहपुर में होमगार्ड हैं। परिजनों ने आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए साथ में कोचिंग पढ़ने वाली एक छात्रा समेत छह छात्रों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है। मूलरूप से फतेहपुर के रहने वाले विनोद कुमार गिरि का पुत्र अभिषेक प्रताप (17) का शव शनिवार को जार्जटाउन स्थित उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला।

बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार की ओर से मानस सम्मेलन एवं काव्यांजलि

प्रयागराज। बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार रायबरेली की ओर से त्रिपाठी आवास गीता निकेतन विद्यालय तिलकनगर में मानस सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी ने की जबकि मुख्य अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा रहे। सर्वप्रथम डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने मानस मर्मज्ञों का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। कवि डॉ. पीयूष मिश्र की सरस्वती वन्दना के

पश्चात मानस मर्मज्ञों ने रामचरितमानस की महिमा बखानी। रायबरेली के मानस विद्वान देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने सीता को नारी सशक्तिकरण से जोड़कर कहा कि सीता का पात्यधर्म चरित्र पुरुष रुप श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाया। आदिसृष्टा सीता कल्याण की अधिष्ठात्री हैं। डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि ने कहा श्रीराम जी के जीवन में सुख दुख की बिचौली है। मुख्य अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने कहा कि राम का चरित्र सकल विश्व के लिए प्रेरणा का संवाहक है। प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राम शस्त्र और शास्त्र के व्यावहारिक विज्ञाता हैं। मानस प्रवाचक डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने संचालन किया। आचार्य श्री नारायण त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण, डॉ. प्रवीण द्विवेदी, अलोपी ओझा, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मधुलिका शर्मा, राधा शुक्ला, अक्षय शिवम शुक्ला, डॉ. नेहा त्रिपाठी ने भी रामकथा विषयक विचार प्रकट किया। इस अवसर पर उत्पल मिश्र, आकांक्षा सिंह, बद्री प्रसाद मिश्र, राजेश, डॉ. सुनील शुक्ल आदि मौजूद रहे। संस्था महासचिव डॉ. पीयूष मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ईश्वर शरण महाविद्यालय में पुलवामा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। ईश्वर शरण महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आज 14 फरवरी (पुलवामा दिवस)के अवसर पर सातवें पुलवामा शहीद दिवस पर 'संगोष्ठी/परिचर्चा/ श्रद्धांजलि सभा एवं पदयात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रॉक्टर प्रोफेसर मानसिंह ने की। उन्होंने विक्रम को संबोधित करते हुए पुलवामा की घटना की विस्तृत चर्चा करते हुए स्वयंसेवकों को एक नागरिक के कर्तव्य का निर्वहन कर

शहीद हुए वीर सपूतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आवाहन किया। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए पुलवामा दिवस और उसमें शहीद हुए वीरों की वीरता और बलिदान पर चर्चा की और शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक पद यात्रा का आयोजन किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रुचि गुप्ता, डॉ गायत्री सिंह , डॉ आलोक मिश्र,डॉ रेफ़ाक अहमद, डॉ शैलेश यादव द्वारा शहीदों की वीरता पर चर्चा करते हुए जवानों को यह संदेश दिया कि हमारा देश और हमारा राष्ट्र सर्वोपरि है ।तत्पश्चात एनएसएस स्वयंसेविका अस्मिता पटेल ने भावपूर्ण भाषण प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने इस बात की पुष्टि की,ष सोए नहीं वो वीर हमारे गाथा लिख छोड़ गए, भारत मां की मिट्टी को वो अपने लहू से सींच गएष । और अंत में कार्यक्रम संयोजक द्वारा उपस्थित जनों के साथ राष्ट्र गान किया गया। उपरोक्त कार्यक्रमों में महाविद्यालय की की सभी इकाइयों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवक अस्मिता पटेल ,शौर्य सिंह, अंकित पटेल, विजय द्विवेदी, विपिन यादव, आदित्य, राज, ज्योतिरादित्य इत्यादि की भूमिका सराहनीय रही।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्या : एस/सेल/611/ई-नी.का./5270/25-26 दिनांक : 13.02.2026

ई-नीलामी सूचना

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे। रद्दी मदें : पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पेट्रोल ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हेकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग, रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई. टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्क्रैप वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक
1	06.03.2026	शुक्रवार	सा.भ.डिपो/झाँसी	उप मु.सा.प्रबं./प्रणाली/झाँसी।
2	10.03.2026	मंगलवार		
3	13.03.2026	शुक्रवार		
4	18.03.2026	बुधवार		
5	27.03.2026	शुक्रवार		
6	06.03.2026	शुक्रवार	सा.भ.डिपो/कानपुर	उप मु.सा.प्रबं./जी.एस.डी./कानपुर।
7	12.03.2026	गुरुवार		
8	18.03.2026	बुधवार		
9	24.03.2026	मंगलवार		
10	30.03.2026	सोमवार		
11	02.03.2026	सोमवार	प्रयागराज मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./प्रयागराज।
12	10.03.2026	मंगलवार		
13	17.03.2026	मंगलवार		
14	24.03.2026	मंगलवार		
15	30.03.2026	सोमवार		
16	02.03.2026	सोमवार	झाँसी मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./झाँसी।
17	11.03.2026	बुधवार		
18	18.03.2026	बुधवार		
19	25.03.2026	बुधवार		
20	05.03.2026	गुरुवार	आगरा मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./आगरा।
21	12.03.2026	गुरुवार		
22	19.03.2026	गुरुवार		
23	25.03.2026	गुरुवार		

माध्यम : www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा

विशेष शर्तें: 1. सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप डिपो गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। 331/26 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cpronorly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एनएसएस सात-दिवसीय विशेष शिविर का तृतीय दिवस स्वास्थ्य जागरूकता व करियर मार्गदर्शन के साथ संपन्न

प्रयागराज/इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक अल्पसंख्यक महाविद्यालय हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई (Units–41, 42.43) के अंतर्गत आयोजित सात–दिवसीय विशेष शिविर का तृतीय दिवस अत्यंत सफलतापूर्वक एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर की गतिविधियाँ निर्धारित मुख्य विषय "युवा सशक्तिकरण, डिजिटल विकास और सस्टेनेबिलिटी (Youth Empowerment] Digital Development and Sustainability)" के अनुरूप आयोजित की गईं।

प्रथम पाली में महाविद्यालय परिसर में नेत्र जाँच शिविर (म्लम बिमबा–नच ब्ंउच) का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवक छात्राओं के साथ–साथ शिक्षकगण एवं कर्मचारियों की भी आँखों की गहन जाँच की गई। इस स्वास्थ्य–उन्मुख पहल से प्रतिभागियों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

द्वितीय पाली में "Empowerment of Youth: Techniques and Tools of Career Development" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पधारे विशिष्ट अतिथियों द्वारा छात्राओं को करियर मार्गदर्शन प्रदान किया

गया।

कार्यक्रम के आरंभ में महाविद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा अतिथियों का पुष्प–भेंट (फूलों का पौधा भेंट कर) सम्मान किया गया। महाविद्यालय की उप–प्राचार्या (टपबम च्तपदबपचंस) ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में–

श्री मोहम्मद रफीक, विभागः माध्यमिक शिक्षा, प्रयागराज तथा

श्री राजू यादव, लॉ ऑफिसर, निदेशालय शिक्षा, प्रयागराज

ने युवाओं के सशक्तिकरण, करियर विकास की प्रभावी तकनीकों, छात्राओं की सफलता की संभावनाओं, नवीन सरकारी योजनाओं एवं बजट से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने अपने जीवन–अनुभव साझा करते हुए निरंतर परिश्रम, लक्ष्य–निर्धारण एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम से यह प्रेरक संदेश भी दिया गया कि लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर होने पर समाज और परिवेश का सहयोग स्वतः प्राप्त होता है।

अतिथियों के विचारों एवं मार्गदर्शन से छात्राएँ अत्यंत प्रेरित हुईं। उन्होंने अपने शैक्षिक एवं व्यावसायिक जीवन में कठिन परिश्रम कर सफलता प्राप्त करने का संकल्प लिया।

एनएसएस शिविर का तृतीय दिवस स्वास्थ्य जागरूकता, करियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक संवाद के माध्यम से स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। दिनभर की गतिविधियों ने छात्राओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, आत्मविश्वास तथा भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को सुदृढ़ किया।

अग्रवाल युवा महिला मंडल का स्वागत समारोह गरिमामय ढंग से सम्पन्न

प्रयागराज। अग्रवाल युवा महिला मंडल का स्वागत समारोह 14 फरवरी को सिविल लाइंस स्थित होटल रामा कॉन्टिनेंटल में अत्यंत उत्साह, उल्लास एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। यह समारोह नवगठित महिला प्रकोष्ठ की शुभ एवं मंगलमय शुरुआत का प्रतीक बना।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ, जिसके पश्चात नव नियुक्त सदस्यों का औपचारिक परिचय कराया गया। उन्हें बैज एवं स्वागत उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान संगठन की एकता, समर्पण तथा सामाजिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

मुख्य अतिथि अभिलाषा गुप्ता नंदी ने नए प्रकोष्ठ की स्थापना पर संगठन को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष पीयूष रंजन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सामुदायिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मंडल को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी प्रदान किया।

मंडल की अध्यक्षा सारिका अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए मंडल की भावी योजनाओं एवं आगामी परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि अग्रवाल युवा महिला मंडल

समाज को सशक्त, संगठित एवं सेवा–भावना से परिपूर्ण बनाने हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन महामंत्री डॉ. कीर्ति अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने नवगठित प्रकोष्ठ की स्थापना में श्री पीयूष रंजन अग्रवाल के सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

समारोह का समापन विनीता अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर समाज के मनोज अग्रवाल, हरीश चंद्र अग्रवाल, अभिषेक मित्तल, अभिनव अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, रीनू मित्तल, दीप्ति गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, येशा गोयल, श्रुति अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

26वें महाकाल महोत्सव में भयहरण महादेव का हुआ भव्य शिवाभिषेक

महाशिव रात्रि मेला हेतु पुलिस व कार्यकर्ता मुसतैद, रहेगी चाक चौबंद सुव्यवस्था

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 26 वें महाकाल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर प्रबन्ध समिति द्वारा भव्य पूजन हुआ. सत्य सनातन धर्म संगोष्ठी में प्रसिद्ध संत जंगल बाबा व श्रृंगवेरपुर धाम के अध्यक्ष व बोर्ड आफ रिवेन्यु बार के अध्यक्ष

बाल कृष्ण पांडेय तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ बिमला व्यास ने सनातन धर्म के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किया।

भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने पत्नी प्रीति समाज व संत व बिद्वान अतिथियों के साथ भागवान भोले नाथ का विधिवत पूजन अर्चन किया. आचार्य श्रवण शास्त्री जी द्वारा अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी के संयोजन में पूजन की भव्य व्यवस्था हुई. महासचिव समाज शेखर ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर चौकी प्रभारी राजीव वर्मा व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र से सभी व्यवस्था पर चर्चा कर ट्रैफ़िक, मेला भीड़ नियंत्रण आदि पर सावधानी पूर्वक कार्य किये जाने की अपेक्षा की. मेला व मन्दिर क्षेत्र में 12 पॉइंट चिन्हित किया गया है जहाँ पुलिस की सतर्क व्यवस्था की गई है. धाम में अस्थाई पुलिस चौकी प्रशासनिक कार्यालय में बना है. जिसमे पर्याप्त संख्या में टर्न बाई टर्न पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगी हैं. वहीं प्रबन्ध समिति व मन्दिर मेला समिति के कार्यकर्ता सभी व्यवस्था में सहयोग हेतु तत्पर है. सुबह 4 बजे से जनता जनार्दन व श्रद्धालु भक्तो की दर्शन व्यवस्था होगी. मेला नियंत्रण कक्ष व भूला भटका शिविर सुबह से ही चलेगा. दिन भर मेला सुव्यवस्था हेतु सभी को अपनी निष्टावान जिम्मेदारी निभाने का महासचिव ने सभी से आवाहन किया. इस अवसर पर संगठन सचिव राज किशोर मिश्र व उप सचिव हेमराज अग्रहरी , मंदिर समिति से सहायक पुजारी रामू तिवारी, तेज प्रताप सिंह, भानु सिंह तथा मेला समिति के प्रदीप सिंह, पदाधिकारी गणों ने अपनी भूमिका निभाई।

सीएम योगी ने गैस चैंबर से की दिल्ली के वायु गुणवत्ता की तुलना

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की तुलना गैस चौंबर से करते हुए शनिवार को कहा कि उप्र में तेजी से विकास हो रहा है, इसके बावजूद घुटन भरा माहौल नहीं है। गोरखपुर में एक कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने कहा कि आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण नुकसान की है। उन्होंने कहा, आप देखिए यहां का पर्यावरण कितना अच्छा है, कोई प्रदूषण नहीं है। अगर प्रदूषण नहीं है, तो कोई बीमारी भी नहीं है। जब भी प्रदूषण होगा, तो यह फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाएगा। अगर ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाली मशीन खराब हो जाती है, तो पूरा शरीर खराब हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के विकास खंड जंगल कौड़िया में पुनःनिर्मित विकास अधिकारी कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली में वायु गुणवत्ता मानक पर ध्यान दिलाया।

शिव का है अवतरण

पावन है शिवरात्रि शिवालय सजे हुयें हैं।
दर्शन करने आज भक्त सब जुटे हुयें हैं।
बेलपत्र फल दूध धतूरा अर्पित करके।
गगरी में भर नीर चढ़ाते जल भर भरके।
है यह शिव का अवतरण और मिलन की रात है।
दिव्य शक्ति के साथ में नवचेतन शुरुआत है।
अंत तमस का है यही नवचेतन शुरुआत है।।

गूँज रहा शिवधाम मिलन की बेला आई।
मंगल लगे प्रभात गीत गाती शहनाई।
शिव का है अवतरण शक्ति की छाई माया।
सुखी हुआ संसार मिली जब इनकी छाया।
अनुपम यह शिवरात्रि है जहाँ भोर ही भोर है।
बाहर बम बम बोल है अंदर शिव का शोर है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ढाई गुना से ऊपर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की तेज रफ्तार अर्थव्यवस्था के पीछे महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में राज्य में महिला श्रम बल भागीदारी दर 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जिससे उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। इसी अवधि में प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद जीएसडीपी में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं. पी.आर.वाइ.जे.-सिग-047-2025-26 दिनांक 13.02.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/समन्वय/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.1. निविदा नं.: 047 कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल में चुनार-चोपन खण्ड के मिड सेक्शन में 02 नं0 गैर इन्टरलॉक समपार फाटक (समपार फाटक संख्या 28 एवं समपार फाटक संख्या 33) का इन्टरलॉकिंग।

अनुमानित मूल्य: ₹ 12796370.76	बिड सिक्यूरिटी: ₹ 214000/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00/-	कार्य समापन की अवधि: बारह माह.

निविदा खुलने की तिथि: 11.03.2026, 2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 3. धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदावाला बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदावाला द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में हैं तो यह उचित स्टॉम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टॉम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिए। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। 4. निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 5. निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। 6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 329/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 03435/03436 मालदा टाउन-आनन्द विहार (ट.) होली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या- 03435 मालदा टाउन - आनन्द विहार (ट.)			गाड़ी संख्या- 03436 आनन्द विहार (ट.) - मालदा टाउन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	09:30	मालदा टाउन	22:30	----
01:50	01:55	प्रयागराज जं.	03:00	03:05
06:05	06:10	गोविन्दपुरी	23:30	23:35
09:30	09:32	टूण्डला	19:03	19:05
13:40	----	आनन्द विहार (ट.)	----	15:35

मालदा टाउन से:- गाड़ी संख्या 03435, प्रत्येक सोमवार, दिनांक 02.03.2026 से 16.03.2026 आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 03436, प्रत्येक मंगलवार, दिनांक 03.03.2026 से 17.03.2026, गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

गाड़ी सं. 04066/04065 आनन्द विहार (ट.)-खोरधा रोड आरक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या- 04066 आनन्द विहार (ट.) - खोरधा रोड			गाड़ी संख्या- 04065 खोरधा रोड - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	00:30	आनन्द विहार (ट.)	08:15	----
07:20	07:25	गोविन्दपुरी	21:20	21:25
10:20	10:25	सूबेदारगंज	17:55	18:00
11:50	11:52	मिर्ज़ापुर	16:18	16:20
12:30	----	खोरधा रोड	----	15:30

आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 04066, दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 खोरधा रोड से:- गाड़ी संख्या 04065, दिनांक 28.02.2026 से 04.03.2026 गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 05, स्लीपर श्रेणी- 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 04070/04069 आनन्द विहार (ट.)-शेखपुरा आरक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या- 04070 आनन्द विहार (ट.) - शेखपुरा			गाड़ी संख्या- 04069 शेखपुरा - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	00:20	आनन्द विहार (ट.)	19:00	----
06:35	06:40	गोविन्दपुरी	11:40	11:45
10:00	10:05	प्रयागराज जं.	09:00	09:05
20:30	----	शेखपुरा	----	22:30

आनन्द विहार (ट.) से:- गाड़ी संख्या 04070, दिनांक 20.02.2026, 24.02.2026, 27.02.2026, 03.03.2026 एवं 06.03.2026 शेखपुरा से:- गाड़ी संख्या 04069, दिनांक 20.02.2026, 24.02.2026, 27.02.2026, 03.03.2026 एवं 06.03.2026 गाड़ी संरचना:- वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 05 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 333/26(A)

सम्पादकीय.....

चिंताजनक है 'डीपफेक पोर्नोग्राफी' का चलन

इस समय पोर्नोग्राफी के जरिए प्रभावशाली व्यक्तियों और महिलाओं को ब्लैकमेल करने की घटनाएं बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं। यह आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस यानि कृत्रिम बुद्धिमता तकनीक का एक बड़ा दुरुपयोग है। यह हमारी सामाजिक चिंताओं में भी वृद्धि कर रहा है। डीपफेक पोर्नोग्राफी के इस्तेमाल के जरिए बिना सहमति वाले व्यक्तियों के अश्लील वीडियो बनाना और सांझे करना शामिल है और इसका इस्तेमाल व्यक्ति की छवि को खराब करने के लिए किया जाता है। डीपफेक पोर्नोग्राफी, या सरल शब्दों में कहें तो एक प्रकार की कृत्रिम पोर्नोग्राफी है, जिसे पहले से मौजूद तस्वीरों या वीडियो में डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के जरिए आजकल डीपफेक पोर्न बनाया जा रहा है। इसका मतलब है कि ऐसा कोई भी अश्लील वीडियो या चित्र जो हमारा नहीं है मगर उस पर हमारा चेहरा लगा दिया जाता है और ये सब इतना सटीक होता है कि सामान्य इंसान इसे पहचान भी नहीं पाता कि यह नकली है या असली। 'डीपफेक' शब्द 'डीप लनग' और 'फेक' का मिश्रण है। इससे वे सब बनाया जा सकता है, जिसे अब 'सिंथैटिक मीडिया' कहा जाता है। इसमें किसी व्यक्ति के भाव,कार्यों की नकली तस्वीर या वीडियो क्लिप बनाया जा सकता है। यह न केवल दुनिया को मूर्ख बना सकता है, बल्कि आपकी समझ से भी खिलवाड़ कर सकता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के चलते, हर गुजरते दिन के साथ ऐसी डीपफेक तकनीक आसान, सस्ती और अधिक सुलभ होती जा रही है। कम्प्यूटर की सहायता से बनाई गई नग्न तस्वीरों और वीडियो को डीप न्यूड कहा जाता है। हो यह रहा है कि साइबर अपराधी कृत्रिम बुद्धिमता सॉफ्टवेयर की मदद से वीडियो, ऑडियो और तस्वीरों पर नग्न सामग्री का लेप कर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमता का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति के बोलने के तरीके, सिर तथा चेहरे की गतिविधियों को किसी अन्य व्यक्ति के साथ शामिल कर देने से यह बताना मुश्किल हो जाता है कि यह वीडियोध्तस्वीरें सही हैं या गलत। कम्प्यूटर द्वारा तैयार की गईं इन वीडियोध्तस्वीरों की सत्यता की जांच गहन विश्लेषण से ही की जा सकती है। साइबर विशेषज्ञ कहते हैं कि डीपफेक वीडियो और फोटो के फेशियल एज, हेयरलाइन्स, आईब्रो, आईग्लास बार्डर देखकर पहचाना जा सकता है। वीडियो प्ले होने पर आंखों और होंठों के मूवमैंट से डीपफेक वीडियो को पहचाना जा सकता है। इस तरीके से बनाए गए वीडियो और फोटो में हाथों और पैरों की लम्बाई एक समान नहीं होती। इस तरह ऐसे वीडियो को पहचाना जा सकता है। डीपफेक को लेकर आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और साइबर दुनिया के दुरुपयोग पर नियंत्रण अत्यंत जरूरी है। साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग का मुद्दा ऐसा है, जिसकी और अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए गलत सामग्री सांझी करने से लोगों के निजता के अधिकार का हनन होता है, ऐसे में इसके खिलाफ कड़ा नियमन करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डीपफेक पोर्नोग्राफी के कारक के रूप मे आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के दुरुपयोग से जुड़े नैतिक पहलू पर बहस होनी चाहिए।

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी

सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कुख्यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा। बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार–तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफे हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफे के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि अमेरिका में भी इस पर ट्रंप के विरोधी नेता सवाल कर रहे हैं और उन्हें सवाल करने दिया जा रहा है। मगर भारत में भाजपा को बचाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का नाम लेना ही गुनाह की तरह दिखाया जा रहा है। बुधवार को जब संसद के भीतर राहुल गांधी को इस मामले में बोलने से रोका गया तो उन्होंने बाहर आकर अपने आरोपों को दोहराया। जिसके बाद केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। हालांकि वे चाहते तो जब से उनका नाम इस मुद्दे पर आया, तभी खुलकर सारी बातें बता सकते थे। लेकिन दबाने–छिपाने की इस प्रवृत्ति से ही शक गहराता है। बहरहाल, हरदीप सिंह पुरी ने माना कि उनकी मुलाकात कुख्यात अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन–चार बार हुई थी। यानी राहुल गांधी ने संसद के भीतर जो कुछ कहा, उसे खुद हरदीप पुरी ने सत्यापित कर दिया है। इसके बाद उन पर क्या आरोप लगते हैं और कितने साबित होते हैं, ये तो बाद की बात है, सबसे पहले उन्हें नैतिकता के आधार पर ही इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार की डिक्शनरी में शायद नैतिकता शब्द है ही नहीं, इसलिए उसके आधार पर इस्तीफे भी नहीं होते। पत्रकारों को अपनी बात बताते हुए हरदीप पुरी ने कुछ बड़ी गलतियां कर दीं। एक तो उन्होंने कहा कि एपस्टीन पर कुछ कम उम्र की लड़कियों के शोषण का आरोप था, जबकि सच यह है कि इस मामले में उसे सजा भी हो चुकी थी। दूसरी बात कम उम्र की लड़कियों को ही बच्चियां कहा जाता है और यह बच्चियों की तस्करी, या उनसे दुष्कर्म बेहद गंभीर अपराध है। भारत में भी इसी पर पॉक्सो एक्ट बना है, लेकिन हरदीप पुरी ने इतने हल्के तरीके से यह बात कही, मानो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने ये दावा भी किया है कि मोदी कभी एपस्टीन से नहीं मिले, इस पर पवन खेड़ा ने पूछा है कि हरदीप पुरी आपको इतना यकीन कैसे है कि प्रधानमंत्री कभी श्री एपस्टीन से नहीं मिले? क्या आप उनके मध्यस्थ थे? क्या आप भाजपा नेताओं के लिए एपस्टीन के गेटकीपर थे? हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि अमेरिका में भारतीय राजदूत के पद से रिटायर होने के कुछ महीने बाद मुझे इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) में आमंत्रित किया गया था। आईपीआई में मेरे बॉस टेरियल रोड लार्सन उस कुख्यात व्यक्ति, एपस्टीन को जानते थे। मैं तीन या अधिकतम चार बार उनसे मिला।आपको बता दूं कि जिस आईपीआई यानी अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान की बात हरदीप पुरी कर रहे हैं, वो न्यूयॉर्क का थिंक टैंक है, जहां हरदीप पुरी ने रिटायर होने के बाद और भाजपा में शामिल होने से पहले काम किया था। इस संस्था को भी एपस्टीन से फंड मिला था। हरदीप यह बात साफ नहीं कर रहे हैं कि अगर वो एपस्टीन से तीन–चार बार मिले तो क्या हर बार आईपीआई प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले थे। लिंक्ड इन के संस्थापक रीड हॉफमैन का नाम भी इन फाइल्स में है और हरदीप सिंह पुरी की हॉफमैन से मुलाकात और उनके भारत दौरे की तैयारी की बात भी सामने आई है। हॉफमैन से मुलाकात पर एपस्टीन ने हरदीप सिंह पुरी से बातचीत की थी, ऐसा खुलासा भी हुआ है।

ऐसे में सवाल है कि मोदी सरकार अपने दूतावास और विदेश मंत्रालय को छोड़कर सेवानिवृत्त हरदीप सिंह पुरी की सेवाएं क्यों ले रही थी और उन्हें इस नौकरी के बाद न केवल राज्यसभा सदस्यता, बल्कि मंत्री पद भी किस प्रभाव में नरेन्द्र मोदी ने दिया है। जबकि भाजपा में ही कई योग्य लोग मौजूद हैं।

फिलहाल ऐसे बहुत सारे सवाल हैं, जिन पर हरदीप पुरी को संसद में आकर जवाब देना चाहिए और साथ में नरेन्द्र मोदी को भी पूरी बात का खुलासा करना चाहिए। लेकिन इसकी जगह भाजपा ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने का दांव चला है, जो ज्यादा दूर तक मोदी सरकार की रक्षा नहीं कर पाएगा।

उभरते भारत के लिए बजटः विकास इंजन के रूप में कपड़ा उद्योग

गिरिराज सिंह

विकसित भारत बजट 2026–27 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट सुधारोन्मुख दृष्टिकोण की ओर इंगित करता है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ.टी.ए. के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाजार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ा बाजारों तक विशेष पहुंच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमरीकी बाजार तक नए सिरे से पहुंच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत–अमरीका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढने की उम्मीद है। बाजार तक पहुंच को सुदृढ़ करने के साथ–साथ, क्यू.सी.ओ. को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जी.एस.टी. सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर–न्यूट्रल ढांचे की ओर अग्रसर हुआ है। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यतरू कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा। यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुनरू स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है। भारत का वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र देश के जी.डी.पी. में लगभग 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है और 5.2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है। हालांकि वैश्विक वस्त्र एवं परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में विस्तार की अपार संभावनाओं को रेखांकित करती है। सरकार ने इस दिशा में एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी मध्यम अवधि का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2030 तक वस्त्र क्षेत्र का आकार 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना और निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक विस्तारित करना। वस्त्र क्षेत्र की प्रगति को लंबे समय से बाधित करने वाला एक प्रमुख कारण पुराने उत्पादन क्लस्टरों पर इसकी निर्भरता रहा है, जो उत्पादकता और विस्तार को सीमित करता है। विनिर्माण संबंधी दक्षता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स लागतों को कम करने के लिए इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण अनिवार्य है। बजट 2026 देशभर में 200 औद्योगिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण का प्रावधान करते हुए इस आवश्यकता का सीधे तौर पर समाधान करता है। साक्ष्य दर्शाते हैं कि क्लस्टर–आधारित विनिर्माण से श्रम उत्पादकता में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और प्रति इकाई लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। मैगा टैक्सटाइल पार्कों, सांझा प्रसंस्करण सुविधाओं तथा प्लग–एंड–प्ले इकोसिस्टम में किए गए निवेश बड़े पैमाने पर स्थायी लागत को कम करते हैं। वस्त्र क्षेत्र के रूपांतरण के केंद्र में रोजगार सृजन और कार्यबल की तैयारी हैं। वस्त्र उद्योग, पूंजी–प्रधान उद्योगों की तुलना में प्रति करोड़ रुपए के निवेश पर लगभग 3 गुना अधिक रोजगार सृजित करता है और क्रमिक पहलों के माध्यम से पूरी मूल्य शृंखला में कौशल विकास और रोजगार–योग्यता को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान दिया गया है। इस क्लस्टर–आधारित विकास के समर्थन से, वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना के तहत अगले 5 वर्षों में 2 से 3 करोड़ अतिरिक्त आजीविकाओं को सहारा मिलने की संभावना है।

असम के भीमाशंकर ज्योर्तिलिंग की महिमा निराली, भक्तों का लगता 'तांता'

देश भर में भगवान शिवमन्दिरों और शिवलिंगों में शिव भक्तों का तांता लगता है। शिवरात्रि पर भक्तों की अनगिनत तादाद में लम्बी कतार लगती है, पूर्वोत्तर के असम राज्य में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग विराजमान है। यहाँ भक्तों की भीड़भाड़ देखने लायक है । भगवान शिव के मन्दिरों व ज्योतिलिंगो का सटीक विस्तार से वर्णन को समझने जानने में शिवपुराण को अवश्य पढ़ने की जरूरत है। शिवपुराण में भीमा के बारे उल्लेख है कि भगवान शिव के हाथों भीमा नामक राक्षस वध करके अंत हुआ। कुंभकर्ण का सुपुत्र था भीमा। वह हमेशा ही भगवान ब्रह्मा की सेवाभक्ति और तपस्या में लीन रहता था। अपनी भक्ति के एवज में वह अजेय आशीर्वाद पाकर घोर प्रसन्न हुआ।

वह अजेय शक्ति पाकर सदुपयोग के विपरीत दुरुपयोग ही किया। अपनी शक्ति पर नाज था। वज समस्त जगत में देवताओं और धरा पर अपना वर्चस्व दिखाने में बेहद मग्न हुआ । भीमा के मन में बिगाड़ने की विचारधारा कूट कूट कर भरी थी वह भगवान शिव की पूजा अर्चना भक्ति करने वालों पर बिगड़ा रहता। भक्ति के प्रति बुरे विचारों में रहता। अपनी शक्ति से बुरा करने विघ्न डालने को निश्चित किया। भीमा भक्तों से उपासना न करने को कहता वह भगवान शिव की पूजा के बदले भीमा की पूजा करने को कहता।

इस पर भक्तो ने भगवान शिव से विनती की । उनकी पुकार शिव ने सुनी । भक्तो की पुकार सुनकर भीमा पर क्रोधित शिव युद्ध करके उसका वध करने को बढ़े, उसे मूर्छित कर दिए । उसी समय से भीमा ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुआ । इसके प्रति भक्ति आस्था विश्वास जगा। पूजा अर्चना में भक्तों का तांता लगा । भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग की महिमा निराली है। यहाँ आकर भक्तो की मनोकामना पूर्ण होती है। असम राज्य के कामरूप में विराजमान ज्योतिलिंग एक पावन विख्यात धार्मिक स्थल में है ।

–ललित शर्मा असम

उपभोक्ता आन्दोलन की 40 वर्ष की यात्रा, कितनी न्यायकारी

–अविनाश राय

उपभोक्ता आन्दोलन का सूत्रपात 1986 में बने उपभोक्ता संरक्षण कानून के द्वारा हुआ, जिसमें उपभोक्ताओं के प्रति बरती गई लापरवाहियों, जैसे खराब वस्तुओं की बिक्री या सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही की जांच करके यथोचित आदेश पारित करने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर न्यायालयों के गठन के लिए मार्ग प्रशस्त किए गए। वर्ष 2019 में

इस कानून में अनेकों बदलाव भी लाए गए, किन्तु आज यदि 40 साल की इस उपभोक्ता संरक्षण यात्रा का आकलन करें तो ऐसा लगता है कि न्याय मांगने वालों को शीघ्र न्याय में विलम्ब तो देश के सामान्य न्याय व्यवस्था की तरह ही झेलना पड़ रहा है, जबकि दूसरी तरफ देशवासियों की बहुत बड़ी संख्या तो अभी तक अपने इस बहुमूल्य अधिकार के बारे में अंजान ही दिखाई देती है। इसलिए सबसे पहले तो उपभोक्ता संरक्षण अधिकार के प्रति अज्ञानता की इस मूल कमी को दूर करने के लिए इसे शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ा जाना चाहिए। राजनीति विज्ञान में तो यह एक अच्छा विषय बनाया जा सकता है, बल्कि हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी, उर्दू सहित देश की सभी भाषाओं की पुस्तकों में मैट्रिक और इंटर स्तर पर भी कुछ न कुछ पाठ जोड़े जा सकते हैं। जब तक ऐसे पाठ्यक्रम सम्भव न हों, तब तक विद्यालयों में गोष्ठियों या नुक्कड़ नाटकों की तरह जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। देश के गैर–सरकारी सामाजिक और धार्मिक संगठनों को भी ऐसे अभियानों में शामिल किया जा सकता है। उपभोक्ता अदालतों के माध्यम से जो उपभोक्ता संरक्षण अभियान तीव्र गति से चलना चाहिए था, वह भी आज दिखाई नहीं दे रहा। कहने को उपभोक्ता अदालत व्यवस्था इस रूप में गठित की गई थी कि जिसमें एक सामान्य शिकायत पत्र पर कार्रवाई सम्भव हो सकती थी, परन्तु यहां भी सामान्य अदालतों की तरह छोटी सी राशि वाले मामले में भी वकील करना पड़ता है, मुकद्दमा तैयार होता है, दस्तावेज लगाए जाते हैं, फिर गवाहों की उपस्थिति से याचिका के तथ्यों को सिद्ध करना पड़ता है और अन्त में वकीलों की बहस और फिर आदेश की प्रतीक्षा। इतना ही नहीं, तीन स्तर की अपील पद्धति शिकायतकर्त्ता के लिए आशा के स्थान पर निराशा, थोड़ी सी राशि का दावा करने के स्थान पर उससे अधिक राशियां इस अदालत व्यवस्था की भेंट चढ़ाना और पल भर के निर्णय के स्थान पर दिन, महीने, साल यूं गुजरते जाएंगे तथा तारीख पर तारीख जैसे डायलाग उपभोक्ता अदालतों पर भी बोले जाते हैं। सामान्यतः उपभोक्ताओं की शिकायत किसी घरेलू वस्तु या सेवा से सम्बंधित होती है। ऐसी छोटी–छोटी शिकायतों के निरीक्षण, परीक्षण में सामान्य विवेक का इस्तेमाल करते हुए भी शीघ्र निर्णय सम्भव है। एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति को कुछ राशि का भुगतान करने के लिए चौक जारी किया। दूसरे व्यक्ति ने वह चौक अपने बैंक में जमा करवा दिया। बैंक द्वारा राशि प्राप्त होने पर वह राशि किसी गलत खाते में जमा कर दी गई। अब ऐसी सामान्य त्रुटि वाली शिकायत पर किस चीज का गम्भीर या गहरा परीक्षण किया जाना है। शिकायत के साथ व्यक्ति चौक जमा कराने की कॉपी और जिस बैंक से राशि निकली, उसका प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर देता है तो ऐसे मामलों में सारी अदालती प्रक्रिया को लम्बी अवधि की तारीखों के साथ निपटाने में यदि 1–2 वर्ष लग जाते हैं तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उपभोक्ता न्याय प्रणाली में विवेकशीलता या गतिशीलता का तो कोई स्थान ही नहीं है। सामान्य अदालतों की तरह अब उपभोक्ता अदालतों में भी ई–फाईलिंग अर्थात याचिका और सभी दस्तावेजों को पी.डी.एफ. के रूप में अदालतों के निर्धारित काऊंटर पर फाईल करना और इसी प्रक्रिया का अनुसरण जवाब, गवाहियां और लिखित बहस तक किया जाना किसी भी दृष्टि से उपभोक्ता संरक्षण अभियान को एक जन आन्दोलन बनने में सहायता नहीं कर सकता। सूचना के अधिकार ने भी एक आन्दोलन की तरह कानून का रूप लिया था। निःसंदेह यह अभियान तीव्र गति से चल रहा है। हाथ से लिखकर किसी भी विभाग को सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया जा सकता है। सामान्यतः 30 दिन के अन्दर उत्तर भी आ ही जाता है। संतोषजनक उत्तर न होने पर अपील भी हस्तलिखित दी जा सकती है और उसका निपटारा भी शीघ्र होता है। दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय सूचना आयोग भी इसी प्रकार यथा सम्भव तीव्र गति और अनौपचारिक प्रक्रिया का पालन कर रहा है। मुझे मेरे एक मित्र ने बताया कि केन्द्रीय सूचना आयोग में सुनवाई के लिए 15–15 मिनट के स्लैब निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पक्षकारों का समय व्यर्थ नहीं होता।

मैं धोखा बर्दाश्त नहीं कर सकती

अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अपनी अपकमिंग फिल्म 'गहराइयां' पर एक खास बातचीत का हिस्सा बनी। अनन्या ने रिलेशनशिप और धोके पर खुलकर बात की और कहा मैं रिश ...और पढ़ें प्रियंका सिंह, जेएनएन। एक्ट्रेस अनन्या पांडे जल्द ही प्रेम व रिलेशनशिप पर केंद्रित फिल्म 'गहराइयां' में नजर आएंगी। जो अमेजन प्राइम वीडियो पर 11 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्म पर अनन्या पांडे ने एक खास मुलाकात में खुलकर बातचीत की। महामारी के खतरे के बीच आप गोवा में इस फिल्म की शूटिंग कर रहीं थीं। उस दौरान कैसा माहौल था? हां, वाकई हम लकी थे कि हमें महामारी के दिनों में भी काम करने का मौका मिला। हमारे लिए सुरक्षा सबसे जरूरी थी। हम दो महीनों के लिए गोवा में थे। किसी को वहां से जाने–आने और बाहरी लोगों से मिलने की इजाजत नहीं थी। हमारे बीच बहुत सारी बातें हुईं, हमने साथ में वर्कशाप की। सभी कलाकारों के बीच एक बांड बन गया था। मुझे आश्चर्य हुआ था कि निर्देशक शकुन बत्रा ने इस फिल्म में मुझे लेने के बारे में सोचा, क्योंकि मैंने उस वक्त तक सिर्फ दो फिल्में की थीं। मैं उनकी फैन रही हूं। 'गहराइयां' में मेरा किरदार काफी जटिल और मैच्योर है। रिश्तों की गहराई को आप कितने अच्छे तरीके से समझती हैं? इतना मैच्योर किरदार करने का अनुभव कहां से आया? ईमानदारी से कहूं तो मुझे लोगों को आब्जर्व करना अच्छा लगता है। इस फिल्म में मेरे किरदार के साथ प्यार में जो चीटिंग हो रही है, उसके बारे में जानना और समझना मेरे लिए नया रहा। मैंने वैसा कुछ अनुभव नहीं किया है, लेकिन जो बेसिक भावनाएं होती हैं, जैसे दुखी होना, किसी भी तरीके से ठगा हुआ महसूस करना, वैसा मैंने महसूस किया है, इसलिए मैं खुद को उससे जोड़ पाई। फिर चाहे वह सतही तौर पर ही हुआ हो। (हंसते हुए) इस फिल्म के लिए थोड़ा गहराई में जाकर तैयारी करनी पड़ी थी। क्या प्यार में आप चीटिंग बर्दाश्त कर पाएंगी? किसी भी रिश्ते को संभालने के लिए आपकी हद क्या है? मैं धोखा बर्दाश्त नहीं कर सकती। हालांकि इस फिल्म से जो चीज मैंने सीखी है, वह यही है कि लोगों को जज नहीं करना चाहिए। एक रिश्ता जो दो लोगों के बीच में होता है, वह उनको ही संभालना होता है। मैं रिश्ता संभालने से ज्यादा सिर्फ उसे निभाने की कोशिश करती हूं। मेरे जितने बेस्ट फ्रेंड्स हैं, वे स्कूल के दोस्त ही हैं। उन्हें मैं तीन साल की उम्र से जानती हूं। सुहाना (अभिनेता शाह रुख खान की बेटी) और शनाया (अभिनेता संजय कपूर की बेटी) के साथ मैं बड़ी हुई हूं। मेरे जो रिश्ते हैं, वे मुझे जमीन से जोड़े रखते हैं। मेरे रिश्ते व परिवार सबसे अहम हैं। उन्हें मुझे संभालने की आवश्यकता नहीं है। रिश्तों को संभालने से ज्यादा दोनों तरफ से रिश्ते को निभाने की कोशिश मायने रखती है। दीपिका पादुकोण, नसीरुद्दीन शाह दोनों ही सीनियर एक्टर हैं। उनसे क्या सीखा? दीपिका बहुत ही विनम्र हैं। सेट पर पाजिटिव वाइब्स लेकर आती हैं। उनके हाव–भाव से प्यार झलकता है। मैंने उनसे ये चीजें सीखी हैं कि एक मुकाम तक पहुंचने के बाद कैसे दूसरों को कंफर्टेबल कराना जरूरी है। नसीर सर के साथ एक ही दिन शूटिंग की है। मैं उन्हें दूर से ही देख रही थी। काफी नर्वस थी। शकुन मुझे खींच के उनसे मिलवाने के लिए ले गए थे। अपनी अगली तेलुगु और हिंदी फिल्म 'लाइगर' के साथ आप पैन इंडिया सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी। क्या इसे लेकर नर्वस हैं? हां, एक दबाव महसूस कर रही हूं। इसके जरिए मैं चार अलग–अलग इंडस्ट्रीज में कदम रखूंगी, इस लिहाज से नर्वस हूं, लेकिन यह एक मजेदार फिल्म होगी। दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों के बीच फर्क अब गायब होता जा रहा है। यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री बन गई है। हम रीजनल और दुनियाभर का सिनेमा देख रहे हैं। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री जब भी ओरिजनल, नई और निडर कहानियां लेकर आएगी तो दक्षिण भारतीय फिल्मों की तरह वह भी हमेशा पसंद की जाएंगी। उम्मीद करती हूं कि यहां की फिल्मों को भी दक्षिण भारतीय दर्शकों के लिए डब किया जाएगा।

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में कहा कि शाहरुख खान और गौरी की लव स्टोरी में उनका भी बड़ा हाथ रहा है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी फिल्मों की वजह से दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं। दरअसल, हाल ही में नीलम टीवी शो इंडियन आइडल में पहुंची थीं, जहां एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ महीने पहले शाहरुख खान ने उनसे कहा था, "नीलम, तुम्हें पता है, गौरी और मेरी शादी की एक वजह तुम भी हो।" नीलम ने आगे बताया कि शाहरुख ने इसके पीछे की पूरी कहानी भी उन्हें समझाई। उन्होंने कहा कि जब नीलम फिल्मों में काम कर रही थीं, तब शाहरुख और गौरी उनके बहुत बड़े फैन हुआ करते थे। इसी वजह से दोनों साथ में नीलम की फिल्में देखने जाया करते थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, उन फिल्मों के दौरान शाहरुख और गौरी के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे–धीरे दोनों की लव स्टोरी आगे बढ़ती चली गई। शो में नीलम ने कहा कि तो शाहरुख और गौरी के साथ होने की एक वजह मैं भी हूं। बता दें कि नीलम 80द्द90 की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक रही हैं। उनकी जोड़ी ज्यादातर गोविंदा के साथ पसंद की गई। नीलम और गोविंदा ने साथ में लगभग 14 फिल्मों में काम किया, जिनमें लव 86 (1986), इल्जाम (1986), खुदगर्ज (1987), हत्या (1988) और ताकतवर (1989) जैसी फिल्में शामिल हैं। वहीं नीलम का नाम गोविंदा संग अफेयर को लेकर भी चर्चा में रहा है।

जैस्मिन भसीन और अली गोनी कई सालों से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. अब तो दोनों लिवइन में भी रहते हैं. बस फैंस को इनकी शादी का इंतजार है. जैस्मिन भसीन और अली गोनी टीवी के पॉपुलर कपल में से एक माने जाते हैं. कोई भी इवेंट हो या कोई फंक्शन अक्सर दोनों कपल गोल्स सेट करते दिखते हैं. हाल ही में जैस्मिन भसीन और अली गोनी ने अपने घर पर टीवी के पॉपुलर एक्टर अभिषेक कुमार को इंवाइट किया था. जैसे जैस्मिन भसीन और अली गोनी की सोसाइटी में अभिषेक ने एंट्री ली, मस्ती करते हुए कहा कि लिफ्ट बहुत छोटी है. वहीं, अली व्लॉग बनाते दिखे. जैस्मिन भसीन और अली गोनी के घर अभिषेक एक तोहफा लेकर पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि बहुत मेहनत का काम है, जैस्मिन भाभी ने हमारी तारीफ की है. जैस्मिन कहती हैं कि भाभी क्यों बोल रहे हो. इस पर अभिषेक कहते हैं कि शादी हो जाएगी इस साल तो अब तो भाभी ही हो जाओगी. अभिषेक जैसे ही कहते हैं कि इस साल शादी हो जाएगी.जैस्मिन भसीन और अली गोनी दोनों उनकी बात को सुन हंस पड़ते हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस से लेकर समारा तिजोरी तक, इन अभिनेत्रियों ने किरदार के लिए कटवाए लंबे बाल

कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अपने किरदार को पूरी सच्चाई के साथ निभाने के लिए अपने लंबे और घने बालों को अलविदा कह दिया। सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि लुक्स में भी बदलाव कर उन्होंने यह दिखाया कि वे अपने किरदार को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि उसे जीती हैं। छोटे बाल रखना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन इन अभिनेत्रियों ने बिना झिझक यह कदम उठाया और अपने रोल को और भी यादगार बना दिया। आइए नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर जिन्होंने शॉर्ट हेयर लुक को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाया।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

साल 2010 में फिल्म अंजाना अंजानी के लिए प्रियंका ने अपने लंबे बाल कटवाकर छोटा और ट्रेंडी हेयरकट अपनाया था। फिल्म में उन्होंने 'कियारा' का किरदार निभाया, और उनका यह लुक इतना पसंद किया गया कि आज भी लोग उसे याद करते हैं। उनका हेयरस्टाइल उस समय ट्रेंड बन गया था।

फातिमा सना शेख

फिल्म दंगल के लिए फातिमा सना शेख ने अपने बाल छोटे करवा लिए थे। बाल महिलाओं के लिए अक्सर भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं, लेकिन फातिमा ने किरदार की मांग को प्राथमिकता दी। उनका यह बदलाव फिल्म के साथ–साथ उनके करियर का भी एक अहम हिस्सा बन गया।

समारा तिजोरी

हाल ही में आई साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल में समारा तिजोरी ने अपने किरदार को असली बनाने के लिए बॉय–कट हेयरस्टाइल अपनाया। आमतौर पर फिल्मों में छोटे बाल दिखाने के लिए विग का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन समारा ने उल्टा किया कृ उन्होंने लंबे बालों के लिए विग पहनी और असल जिंदगी में पिक्सी कट रखकर सभी को चौंका दिया।

सान्या मल्होत्रा

दंगल में सान्या मल्होत्रा ने एक रेसलर का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्होंने बहुत छोटे और साधारण पिक्सी कट हेयरस्टाइल को अपनाया। बाद में सान्या ने बताया कि अपने घुंघराले बालों को वापस बढ़ाने में उन्हें काफी समय लगा।

अनुष्का शर्मा

फिल्म पीके में अनुष्का शर्मा का पिक्सी कट और फ्रिंज वाला लुक काफी अलग और नया था। यह उनका सबसे चर्चित और थोड़ा अलग अंदाज था। जहां लोग उन्हें लंबे वेवी बालों में देखना पसंद करते हैं, वहीं इस नए लुक में भी उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज जब कई अभिनेत्रियां ऐसे बदलाव करने से पहले कई बार सोचती हैं, इन अभिनेत्रियों ने बिना डर अपने किरदार के लिए यह बड़ा कदम उठाया। यही वजह है कि उनके ये रोल आज भी लोगों को याद हैं।

6 से 7 महीने की रिसर्च के बाद बनी है 'द केरल स्टोरी 2', विपुल शाह ने बताई तैयारी की पूरी कहानी

विपुल अमृतलाल शाह इंडियन सिनेमा के जाने–माने फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने सालों में कई ऐसी फिल्में दी हैं जो कल्ट भी बनीं और जिनका जबरदस्त असर भी रहा। द केरल स्टोरी के साथ उन्होंने एक बेखौफ कहानी दिखाई, जिसने फिल्म को बड़ी सफलता दिलाई और देशभर में बहस छेड़ दी। फिल्म ने एक ऐसे असली मुद्दे पर बात की, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। अब शाह इसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड लेकर आ रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुआ टीजर डर, गुस्से और कड़वी सच्चाई का स्ट्रॉन्ग मिक्स दिखाता है और साफ इशारा करता है कि इस बार कहानी और ज्यादा पावरफुल और लेयर्ड होने वाली है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारतीय लीगल सिस्टम में दर्ज असली घटनाओं से इंस्पायर्ड है, जिन्हें एक ग्रिपिंग सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि टीम ने कई महीनों तक डिटेल रिसर्च की, ताकि जो सच्चाई दिखाई जा रही है, वो ऑथेंटिक और फैक्ट्स पर बेस्ड हो। विपुल शाह ने बताया कि जहां पहली फिल्म में भारतीय लड़कियों को आईएसआईएस में कट्टरपंथ की ओर धकेले जाने की कहानी दिखाई गई थी, वहीं द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड भारत के भीतर हो रहे शोषण पर फोकस करती है। यह फिल्म तीन अहम कहानियों पर आधारित है, जो कई असली कोर्ट केस से इंस्पायर्ड हैं। उन्होंने कहा, "जब हम द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड जैसी फिल्म बना रहे थे, तो हम चाहते थे कि यह पूरे भारत की स्थिति को रिप्रेजेंट करे। इसलिए जिन तीन कहानियों को हमने चुना, हम सिर्फ उनकी कहानी नहीं बता सकते थे। हमने कई दूसरी लड़कियों की जिंदगी की घटनाओं को भी इसमें शामिल किया है। नतीजा ये है कि यह तीन लड़कियों की कहानी है, लेकिन इसमें कई और कहानियों की झलक भी है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि फिल्म सिर्फ थ्योरी पर आधारित रिसर्च तक सीमित नहीं रही। टीम ने जमीनी स्तर पर लंबा काम किया। विपुल अमृतलाल शाह ने साझा किया "हमने करीब छह से सात महीने रिसर्च की। कई पीड़ितों से मिले। देश के अलग–अलग हिस्सों में जाकर पीड़ितों, उनके माता–पिता और आसपास के लोगों से बात की। कई कोर्ट ऑर्डर, पुलिस रिकॉर्ड और थ्प्दे देखीं। काफी मीडिया आर्टिकल्स हमारे लिए सोर्स बने, जिनसे हम पीड़ितों तक पहुंचे। यह एक एक्सटेंसिव रिसर्च थी, जिसने हमें सही जानकारी जुटाने में मदद की। उसी आधार पर यह फिल्म बनाई गई है। द केरल स्टोरी ने अपने बोल्ड नैरेटिव से देशभर में जोरदार असर छोड़ा था। अब इसका सीक्वल सीमाओं को और आगे ले जाने का वादा करता है, कम्फर्ट जोन से आगे, खामोशी से आगे और इनकार से आगे। कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी जेम द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है।

बुखार के दौरान स्किन में कई बार लाल दाने होने लगते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो बुखार के दौरान त्वचा में लाल दाने आने के कई कारण हो सकते हैं जैसे चिकनपॉक्स, रोसेओला नाम की बीमारियां। इन बीमारियों के कारण त्वचा में रेड दाने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा बुखार में लाल दाने क्यों होते हैं और आप इन्हें कैसे ठीक कर सकते हैं आज इस आर्टिकल के जरिए आपको बताएंगे। आइए जानते हैं।

बुखार में लाल दाने आने के कारण

.यदि आपको बुखार के साथ लाल दाने नजर आते हैं तो आपको चिकनपॉक्स हो सकता है।

.कमजोर इम्यूनिटी के कारण भी बुखार के दौरान लाल दाने हो सकते हैं। यदि आपको कमजोरी या फटीग की समस्या है तो लाल दाने हो सकते हैं।

.मौसम में बदलाव के कारण यदि आपको वायरल फीवर है तो भी स्किन पर लाल दाने की समस्या हो सकती है।

.बुखार के साथ लाल दाने की समस्या फिफ्थ डिसीज की ओर भी संकेत करती है जिसे हम बी19 वायरस के नाम से भी जानते हैं।

. रोसेओला बीमारी के कारण बुखार के साथ लाल दाने की समस्या हो सकती है।

चिकनपॉक्स के कारण

बुखार के दौरान यदि आपको हल्की खांसी, भूख में कमी, सिर में दर्द, थकान जैसे लक्षण दिखते हैं और पेट, पीठ या फिर चेहरे पर लाल खुजलीदार फुंसी होती है तो यह भी चिकनपॉक्स का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आप सीधे डॉक्टर के साथ संपर्क करें। इस बात का ध्यान रखें कि आप किसी गंदी जगह को न छूएं और ज्यादा से ज्यादा आराम करें। इसके अलावा फुंसी वाले दानों को भी न फोड़ें।

इसलिए भी हो सकते हैं लाल दाने

यदि आपकी स्किन पर बुखार के दौरान लाल दाने नजर आते हैं तो ये लक्षण किसी एक बीमारी को ओर संकेत भी कर सकता है। हो सकता है कि बुखार के दौरान इम्यूनिटी कमजोर हो गई हो जिसके कारण स्किन में लाल दाने की समस्या हो।

ऐसे दूर करें लाल दाने

एलोवेरा लगाएं

इन लाल दानों को दूर करने के लिए आप एलोवेरा जेल इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे इंफेक्शन की समस्या दूर होती है। आप लाल दानों पर एलोवेरा लगाएं इससे भी स्किन इंफेक्शन दूर होगी।

नीम का पेस्ट

लाल दानों पर आप नीम के पेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। आप नीम का पेस्ट दानों पर लगाएं और 15 मिनट बाद त्वचा को धो लें।

हल्दी

इन दानों को दूर करने के लिए आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कच्ची हल्दी और दूध

कच्ची हल्दी को पीसकर दूध में मिलाकर आप त्वचा पर एप्लाई करें। इससे स्किन इंफेक्शन की समस्या दूर होगी।

गुलाब का फूल ही नहीं इसकी पंखुड़ियां भी बेहद फायदेमंद होती हैं। त्वचा से लेकर स्वास्थ्य के लिए यह काफी लाभकारी मानी जाती हैं। किसी भी तरह के संक्रमण से बचाने के अलावा यह कब्ज, यूटीआई जैसी समस्याओं में भी यह बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। इसमें पॉलीफेनोल्स और कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो शरीर को कोशिकाओं के कारण होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह पॉलीफेनोल्स हृदय रोग, डायबिटीज और मोटापे से जूझ रहे लोगों के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। गुलाब की पंखुड़ियों के अलावा गुलाब में विटामिन–सी, विटामिन–ए, सोडियम, कैल्शियम, आयरन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैलोरी, शुगर आदि मौजूद होती है। आज रोज डे मनाया जा रहा है ऐसे में इस मौके पर आपको बताते हैं गुलाब की पंखुड़ियों से होने वाले फायदे।

एंग्जायटी होगी दूर

गुलाब की पंखुड़ियों में एंग्जायटी कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे गुण भी होते हैं जो स्ट्रेस दूर करते हैं। गुलाब की पंखुड़ियां आपका मूड सही करके स्ट्रेस दूर करने में मदद करती है। इसी वजह से ज्यादातर लोग रात में गुलकंद का सेवन करते हैं जो कि गुलाब की पंखुड़ियों से बना होता है। यह स्ट्रेस लेवल कम करने में मदद करता है।

यूटीआई इंफेक्शन में मददगार

यूटीआई इंफेक्शन में गुलाब की पंखुड़ियां बेहद लाभकारी मानी जाती हैं। यह एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर होती है जो यूटीआई इंफेक्शन का खतरा कम करने में मदद करती है। इसके अलावा यह वजाइनल पीएस को बैलेंस करने में भी फायदेमंद मानी जाती हैं।

अनिद्रा की समस्या होगी दूर

जो लोग रात में अच्छे से सो नहीं पाते या सारी रात करवट बदलते रहते हैं ऐसे लोगों को इनसोम्निया हो जाता है। इनसोम्निया यानी अनिद्रा की समस्या। आपको बता दें कि गुलाब की पंखुड़ियों में कुछ ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो अनिद्रा दूर करने में मदद करते हैं। ऐसे में यदि आपको भी अनिद्रा की समस्या रहती है तो आप गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन कर सकते हैं।

डिप्रेशन होगा दूर

डिप्रेशन से जूझ रहे व्यक्ति की सोचने और समझने की क्षमता पर असर पड़ता है। ऐसे में आपको बता दें कि गुलाब की पंखुड़ियों में एंटीडिप्रेसेंट गुण पाए जाते हैं जो न सिर्फ तनाव दूर करते हैं बल्कि डिप्रेशन भी खत्म करते हैं। गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करने से सोचने समझने की क्षमता बढ़ती है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

गुलाब की पंखुड़ियां कब्ज की समस्या में भी बेहद उपयोगी मानी जाती है। इनके अंदर फाइबर पाया जाता है जो समस्या से राहत दिलवाने में मदद करता है। पंखुड़ियों का सेवन करने से पाचन क्रिया भी अच्छी होती है।

इंफेक्शन से होगा बचाव

इन पंखुड़ियों में विटामिन सी पाया जाता है जो इम्यून सिस्टम के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा विटामिन–सी का इस्तेमाल करने से किसी भी तरह की इंफेक्शन भी दूर की जा सकती है। यदि शरीर में किसी तरह का इंफेक्शन हुआ है तो आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पत्थरचट्टा कई तरह के इंफेक्शन को दूर करता है और हमारे शरीर का बीमारियों से बचाव करता है। आज हम आपको पत्थरचट्टा के इस्तेमाल और फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। यह एक औषधीय पौधा है, जो पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है।

आयुर्वेद में इन दिनों पत्थरचट्टा का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है। इसको यूरीनरी इन्फेक्शन में काफी ज्यादा असरदार माना जाता है। आयुर्वेद में बीमारियों के इलाज के लिए कई तरह की जड़ी–बूटियों का इस्तेमाल किया जाता है। यह जड़ी बूटियां जड़ों, फूलों, छाल और सक्रिय तत्व पत्तियों से मिलते हैं। यह सारी चीजें शारीरिक हेल्थ के साथ मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होती है। पत्थरचट्टा कई तरह के इंफेक्शन को दूर करता है और हमारे शरीर का बीमारियों से बचाव करता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पत्थरचट्टा के इस्तेमाल और फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

पत्थरचट्टा या कलानचो

आपको बता दें कि पत्थरचट्टा को कलानचो के नाम से जाना जाता है। इसको एयर प्लांट, वंडर ऑफ द वर्ल्ड, कैथेड्रल बेल्स और मिरेकल लीफ भी कहते हैं। पूरे भारत में पत्थरचट्टा के पौधे पाए जाते हैं। इसको आमतौर पर एयर प्लांट के तौर पर भी जाना जाता है। पत्थरचट्टा में लंबे खोखले स्टेम होते हैं। बेल जैसे पेंडुलस फूल और मांसल हरे पत्ते होते हैं। पत्थरचट्टा का वैज्ञानिक नाम ब्रायोफिलम पिनेटम है। यह एक औषधीय पौधा है, जो पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है।

न्यूट्रिशन से भरपूर

पत्थरचट्टा ग्लाइकोसाइड्स, ट्राइटरपेन्स, कार्डिएनोलाइड्स, एल्कलॉइड्स, फ्लेवोनोइड्स, बुफैडियनोलाइड्स, लिपिड और स्टेरॉयड जैसे बायोएक्टिव कंपाउंड से समृद्ध होता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, आयरन, प्रोटीन, कॉपर, जिंक, पोटेशियम, निकेल, कैल्शियम, सोडियम, लीड, कैडमियम जैसे मिनरल्स मौजूद होते हैं। आयुर्वेद में स्टोन को डिजोल्व करने के कारण इस पौधे का नाम पत्थरचट्टा पड़ा।

चमत्कारी है ये पौधा

पत्थरचट्टा का पौधा कैंसर पैदा करने वाली सेल्स की वजह से बदलाव को कम कर सकता है। यह ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है। साथ ही माइक्रो और फंगल के विकास को रोक सकता है। यह पौधा सूजन को कम करने में सहायक होता है और पेट में अल्सर बनने से रोकता है। पत्थरचट्टा प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही यह किडनी स्टोन को खत्म करता है। साथ ही यूरीनरी इंफेक्शन कम करने में मददगार होता है।

जोड़ों के दर्द में भी कारगर

पत्थरचट्टा जोड़ों के दर्द में भी काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि यह एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है। जो हड्डियों के दर्द को कम करने में सहायक होता है और सूजन में भी कमी आती है। पत्थरचट्टा हड्डियों को अंदर से मजबूत बनाने का काम करता है। यह टिशूज को स्वस्थ रखने के साथ ही दर्द में राहत देने का काम करता है।

पत्थरचट्टा के पत्ते

पत्थरचट्टा के 100 ग्रम पत्तों को अच्छे से कूट लें और पत्तियों का रस तैयार कर लें। आधा कप सुबह और आधा पेट शाम को खाली पेट इस रस का सेवन किया जा सकता है। पत्थरचट्टा के इस्तेमाल से इंफेक्शन दूर होने के साथ ही पथरी वाला कैल्शियम फॉस्फेट पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है।

पत्थरचट्टा का रस

आप चाहें तो मार्केट में पत्थरचट्टा का जूस मिलता है। रोजाना दिन में दो बार 20–30 एमएल जूस का सेवन करें। लेकिन ध्यान रखें कि खाली पेट इस रस का सेवन करना चाहिए।

पत्थरचट्टा के पत्ते का काढ़ा

पत्थरचट्टा के पत्ते का काढ़ा बनाने के लिए इसकी पत्तियों को साफ पानी से धो डालें। फिर एक गिलास पानी में इसकी पत्तियों को डालकर अच्छे से उबाल लें। अच्छे से उबालने के बाद इसको छान लें। फिर रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पत्थरचट्टा के पत्तियों की चाय

पत्थरचट्टा की कुछ सूखी और ताजी पत्तियों को पानी में उबालकर छान लें। अगर आप शुगर पेशेंट नहीं है, तो इस चाय में शहद की कुछ बूंदे डालकर इसका सेवन कर सकती हैं।

पत्थरचट्टा का लेप

आपको बता दें कि हड्डियों के दर्द और सूजन को पत्थरचट्टा का लेप तेजी से कम कर सकता है। पत्थरचट्टा की पत्तियों को पीसकर इसमें हल्दी मिलाकर इसका लेप बना लें। फिर इसको अपने जोड़ों पर हल्के हाथों से मालिश करते हुए लगाएं। रोजाना दिन में तीन बार इस लेप को लगाने से आपकी हड्डियां मजबूत होंगी और इनका दर्द भी दूर होगा।

घर में लगा सकते हैं यह पौधा

घर के गमलों में आप आसानी से पत्थरचट्टा के पौधे को उगा सकते हैं। बता दें यह पौधा बीज से नहीं उगता है। यह पौधा सिर्फ पत्तियों से फैलता है। एक पत्ती से पत्थरचट्टा के 5–10 पौधे तैयार हो सकते हैं। हांलाकि इस पौधे को रोजाना पानी देना जरूरी होता है।

लोग फलों का सेवन करने से परहेज करते हैं। फल मीठे होते हैं, इसलिए लोग शुगर बढ़ने के डर से उनका सेवन नहीं करते हैं। लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है। डायबिटीज के मरीज फलों का सेवन कर सकते हैं, लेकिन इन्हें कैसे और कितना खाना है बस इसका ध्यान रखना है। डायबिटीज के मरीजों को खानपान का बहुत ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें बहुत सोच समझकर फलों और सब्जियों का सेवन करना पड़ता है। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो उनके ब्लड शुगर लेवल में अचानक वृद्धि हो सकती है, जो जानलेवा हो सकती है। यही वजह है कि डायबिटीज के मरीजों को संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है, जिसमें साबुत अनाज और ताजे फल शामिल होते हैं। ये दोनों फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और डायबिटीज को नियंत्रण में रखने में मदद करते हैं। लेकिन बावजूद इसके लोग फलों का सेवन करने से परहेज करते हैं। फल मीठे होते हैं, इसलिए लोग शुगर बढ़ने के डर से उनका सेवन नहीं करते हैं। लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है। डायबिटीज के मरीज फलों का सेवन कर सकते हैं, लेकिन इन्हें कैसे और कितना खाना है बस इसका ध्यान रखना है।

डायबिटीज के मरीज करें इन फलों का सेवन

डायबिटीज के मरीजों को कम जीआई स्कोर और उच्च फाइबर सामग्री वाले फलों का सेवन करना चाहिए। सेब, खट्टे फल, नाशपाती, जामुन, चेरी और कीवी जैसे फल डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छे होते हैं। ये फल ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही ये मीठा खाने की क्रेविंग को भी कम करने में मदद करते हैं।

डायबिटीज के मरीज न करें इन फलों का सेवन

डायबिटीज के मरीजों का अत्यधिक पका हुआ केला, अनानास, आम, तरबूज और अंगूर जैसे फलों का सेवन नहीं करना चाहिए। इन फलों का सेवन करने से शुगर बढ़ सकती है और परेशानियां हो सकती है। इन फलों के अलावा डायबिटीज के मरीजों को किशमिश, खुबानी और फलों के रस जैसी चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए।

फलों का सेवन करते समय ध्यान में रखें ये बातें

– डायबिटीज के मरीजों को ताजे और मौसमी फलों का चुनाव करना चाहिए। जमे हुए और डिब्बाबंद फलों का सेवन करने से परहेज करें।

– पोषक तत्व बनाए रखने के लिए फलों को जैसे है वैसे ही रखें, इन्हें काटने की गलती न करें।

– फलों का सेवन करने से पहले उनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स जरूर चेक करें।

– डायबिटीज के मरीजों को ताजे और मौसमी फलों का जरुरत से ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए।

संक्षिप्त

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, टॉयलेट में मिला लेटर

नई दिल्ली,एजेंसी। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 7304 में बम होने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। विमान में यात्रियों के सवार होने से पहले ही लावेटरी के अंदर एक हस्तलिखित नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने का दावा किया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार, नोट को सुबह एक क्रू मेंबर ने देखा, जिसके बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सभी सुरक्षा कदम उठाए गए। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा एजेंसियां विमान की गहन तलाशी ले रही हैं। अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। फिलहाल सुरक्षा जांच जारी है और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। देश में घरेलू उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियों के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। 18 जनवरी को दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो की फ्लाइट में टिशू पेपर पर बम की धमकी लिखी मिली थी, जिसके बाद विमान को एहतियातन लखनऊ डायवर्ट किया गया था। इसके बाद दिल्ली से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2608 में भी विमान के टॉयलेट में हाथ से लिखा एक नोट मिला था, जिसमें बम होने की बात कही गई थी। नोट मिलने से फ्लाइट में हड़कंप मच गया था, जिसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से पुणे एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया था कि गहन जांच और तलाशी अभियान के बाद विमान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी और धमकी फर्जी साबित हुई थी।

महामुकाबले से पहले हरभजन ने भारतीय टीम को किया सतर्क, इस स्पिनर से सावधान रहने की दी हिदायत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भरोसा जताया है कि भारत टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को मात देने में सफल रहेगा। लेकिन इस महामुकाबले से पहले उन्होंने भारतीय टीम को सतर्क भी किया है। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को कोलंबो में ग्रुप ए का मुकाबला खेला जाना है। हरभजन का मानना है कि अगर भारत सतर्क नहीं रहा तो पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। हरभजन ने कहा कि भारत के पास जीतने के लिए ताकत और संतुलन है, लेकिन उन्होंने तारिक की गेंदबाजी के खिलाफ अनावश्यक जोखिम लेने की चेतावनी दी। हरभजन ने कहा, श्भारत मैच जीतेगा। पाकिस्तान के पास एक स्पिनर उस्मान तारिक है, वह एक अच्छा स्पिनर है, हमें उसे संभलकर खेलना होगा।श हरभजन ने सूर्यकुमार यादव की टीम से आग्रह किया कि वे इस मैच में भी उसी शांत मानसिकता के साथ उतरें जैसा कि उन्होंने भारत–पाकिस्तान के पिछले मुकाबलों में दिखाया है। हरभजन ने कहा, भारतीय टीम सक्षम हैय यह एक बहुत अच्छी टीम है। हमें उम्मीद है कि वे हमेशा की तरह खेलेंगे, बिना किसी दबाव के खेलेंगे और जीत का झंडा लहराएंगे। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की है, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत में ही स्पिन गेंदबाजों ने भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। अमेरिका के स्पिनरों ने तीन विकेट लिए, जबकि नामीबिया के धीमे गेंदबाजों ने पांच विकेट लेकर भारत की मध्य ओवरों की परेशानी को उजागर किया। यहीं पर तारिक पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उनकी अनोखी लय और विविधता का मेल बल्लेबाज के टाइमिंग को बिगाड़ सकता है और दबाव में उन्हें जल्दबाजी में शॉट खेलने पर मजबूर कर सकता है। तारिका ने अमेरिका के खिलाफ मैच में तीन विकेट झटके थे। टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ बार मुकाबले खेले जा चुके हैं। सात बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। वनडे और टी20 दोनों विश्व कप मिलाकर भारतीय टीम सिर्फ एक बार पाकिस्तान से हारी है। यह मैच 2021 टी20 विश्व कप में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीता था। पाकिस्तान की टीम किसी भी मैदान पर भारत के सामने नहीं टिक पा रही है और ऐसा लगता है कि अब उसे हार की आदत सी ही पड़ गई है। दोनों टीमें पिछले साल एशिया कप में तीन बार एक दूसरे से खेली थीं और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने पाकिस्तान को धूल चटाई थी जिसमें एशिया कप का फाइनल मुकाबला भी शामिल है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर रहा है भारत का दबदबा, जानें किस तरह भारतीय टीम ने दी है पटखनी

कोलंबो,एजेंसी। तमाम ड्रामे के बाद आखिरकार भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मुकाबला होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में रविवार को यह मैच खेला जाएगा आंकड़ों में हमेशा ही भारतीय टीम का पलड़ा भारी है और जब बात विश्व कप की हो तो पाकिस्तान कहीं भी भारत के सामने नहीं टिक पाता है। ये दोनों टीमें पिछले एक दशक से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेल रही हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बीच मैच आईसीसी या एसीसी टूर्नामेंट में ही होते हैं। इसलिए फैंस को इस महामुकाबले का बेसब्री से इंतजार रहता है। टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ बार मुकाबले खेले जा चुके हैं। सात बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। वनडे और टी20 दोनों विश्व कप मिलाकर भारतीय टीम सिर्फ एक बार पाकिस्तान से हारी है। यह मैच 2021 टी20 विश्व कप में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीता था। पाकिस्तान की टीम किसी भी मैदान पर भारत के सामने नहीं टिक पा रही है और ऐसा लगता है कि अब उसे हार की आदत सी ही पड़ गई है। दोनों टीमें पिछले साल एशिया कप में तीन बार एक दूसरे से खेली थीं और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने पाकिस्तान को धूल चटाई थी जिसमें एशिया कप का फाइनल मुकाबला भी शामिल है।

अब भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर आमने–सामने होंगी तो दोनों ही तरफ भावनाओं का ज्वार उच्चतम स्तर पर रहेगा। पिछले कुछ समय से जिस तरह दोनों देशों के बीच तल्खी देखने मिली है, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि इसका असर मैदान पर भी देखने मिल सकता है।

2007 में पहला टी20 विश्व कप खेला गया था। पहले ही विश्व कप के ग्रुप स्टेज के 10वें मैच में दोनों टीमें आमने–सामने आई थीं। तब पाकिस्तान के कप्तान शोएब मलिक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी की और रॉबिन उथप्पा के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट पर 141 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम भी 20 ओवर में सात विकेट पर 141 रन ही बना सकी थी। मिस्बाह उल हक ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए थे। उस वक्त सुपर ओवर नहीं होता था, बल्कि उसकी जगह बॉल आउट खेले जाते थे। जिसमें दोनों टीमों की ओर से एक–एक करके पांच बार गेंदबाजों को विकेट पर हिट करना था। भारत की ओर से वीरेंद्र सहवाग, रॉबिन उथप्पा और हरभजन सिंह ने विकेट पर हिट किया और वे सफल रहे। जबकि पाकिस्तान की ओर से उमर गुल, यासिर अराफात और शाहिद अफरीदी मिस कर गए और भारत ने यह मैच जीत लिया। ग्रुप स्टेज के बाद फाइनल में भी दोनों टीमों की भिड़ंत हुई। भारत के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। गौतम गंभीर के 54 बॉल पर 75 रन और रोहित शर्मा के 16 गेंद पर 30' रन की बदौलत भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर कुल 157 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज धाराशाई हो गए। रुद्र प्रताप सिंह, इरफान पठान और जोगिंदर शर्मा के आगे पाकिस्तान टीम की एक न चली। 141 रन तक पाक टीम ने नौ विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, मिस्बाह उल हक तब भी क्रीज पर थे। आखिरी ओवर में पाकिस्तान टीम को जीत के लिए 13 रन की जरूरत थी।

भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं पाकिस्तान के ये पांच खिलाड़ी, उस्मान तारिक से रहना होगा सतर्क

कोलंबो,एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर टी20 विश्व कप में आमने–सामने होंगी। इस वैश्विक टूर्नामेंट में जब भी इन दोनों टीमों का मुकाबला हुआ है तो पारा काफी चढ़ा रहता है। इस बार में कुछ ऐसा ही नजारा देखने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच काफी तनावपूर्ण माहौल रहा है, ऐसे में माना जा रहा है कि इसका असर मैदान पर भी दिख सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच इससे पहले जब एशिया कप में मुकाबले खेले गए थे तो काफी विवाद हुआ था। भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा खास होता है और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजर इस मैच पर होती है। इसी वजह से इसे महामुकाबला भी कहा जाता है। दोनों टीमें अपने स्तर पर कागजों में काफी मजबूत हैं, लेकिन आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का पलड़ा प्रतिद्वंद्वी टीम पर हमेशा ही भारी रहा है। भारत के पास कई दमदार खिलाड़ी हैं जो पाकिस्तानी आक्रामण को धवस्त कर सकते हैं।

कोलंबो की पिच पर स्पिनरों को मिलती है मदद, पाकिस्तान के खिलाफ वरुण साबित होंगे तुरुप का इक्का !

कोलंबो,एजेंसी। कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले की मेजबानी के लिए तैयार है। यहां की पिच आमतौर पर स्पिनरों के मददगार मानी जाती है और यह देखना दिलचस्प होगा कि जब भारत और पाकिस्तान की टीमें भिड़ेंगी तो पिच का मिजाज कैसा रहता है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का महामुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला जाएगा। यह मैच आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां की पिच आमतौर पर स्पिनरों के मददगार मानी जाती है। भारत के पास मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मौजूद हैं, लेकिन पाकिस्तान भी इस मामले में कम नहीं है क्योंकि उसकी टीम में अबरार अहमद और उस्मान तारिक हैं जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश कर सकते हैं। भारतीय टीम शुरुआती दो मैचों में दो स्पिनरों के साथ उतरी है। भारत के लिए अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने स्पिन विभाग का जिम्मा संभाला है। कोलंबो में स्पिनरों की मददगार पिच को देखते हुए इस संभावना को भी खारिज नहीं किया जा सकता कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ तीन स्पिनरों के साथ उतरे।

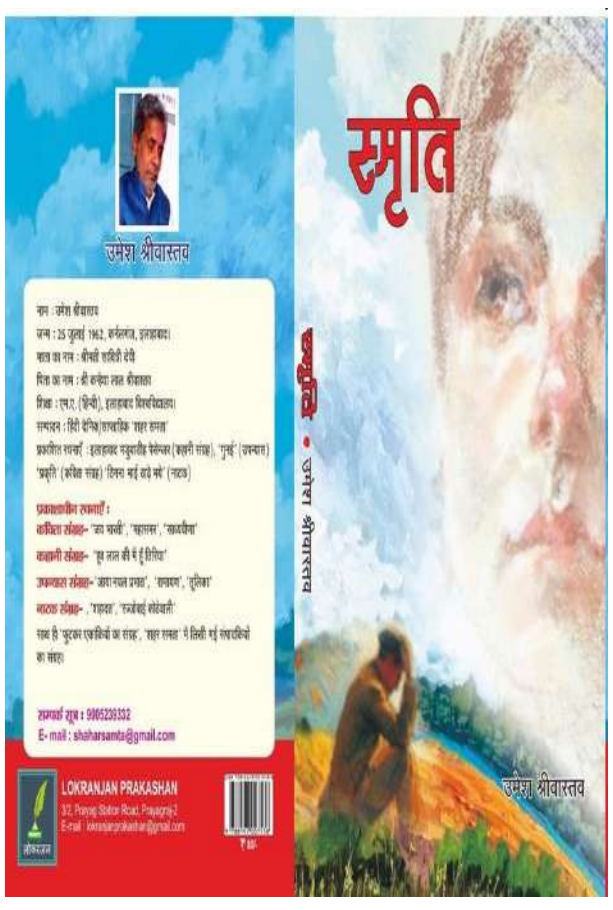

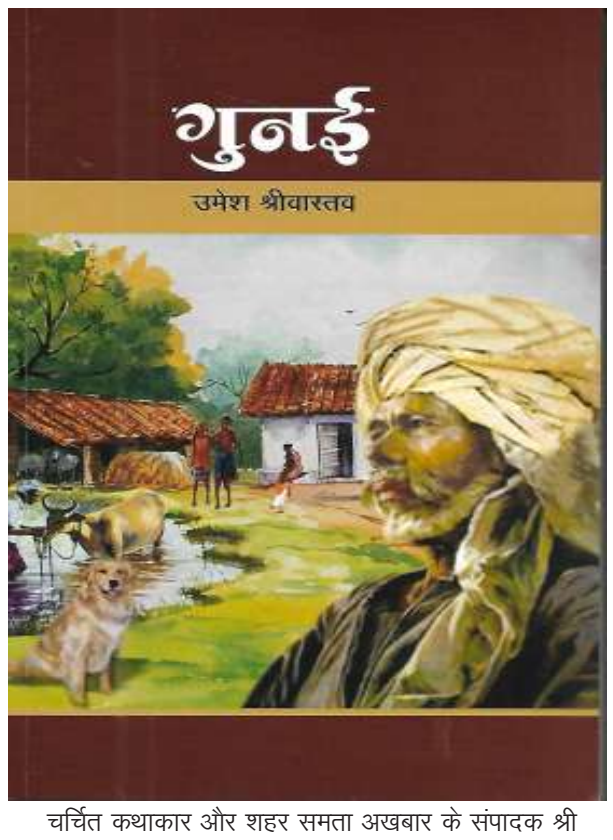

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

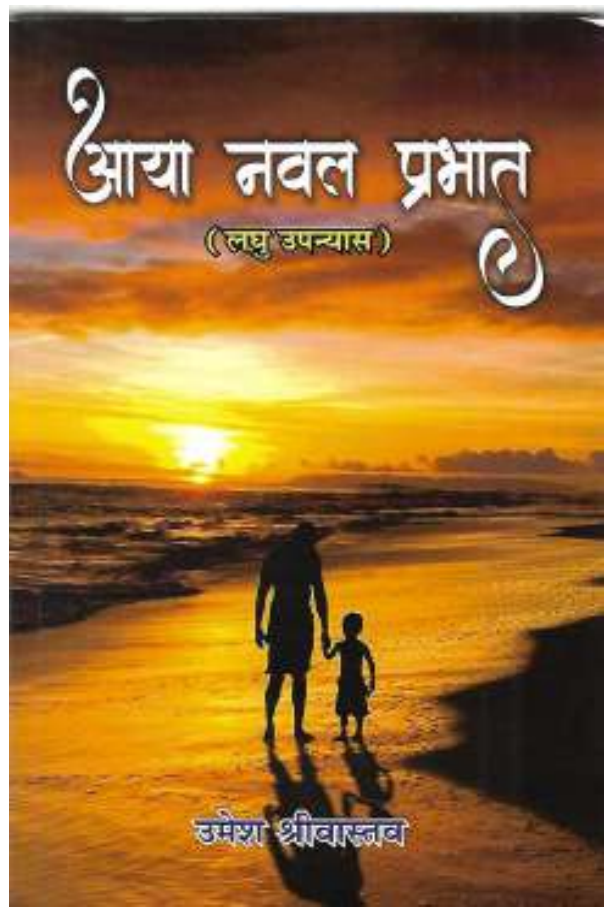

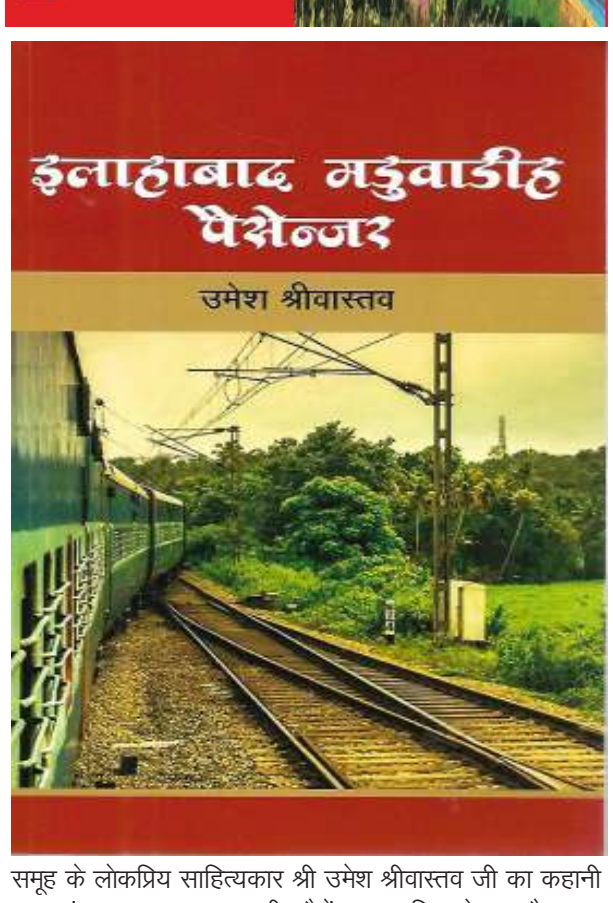

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

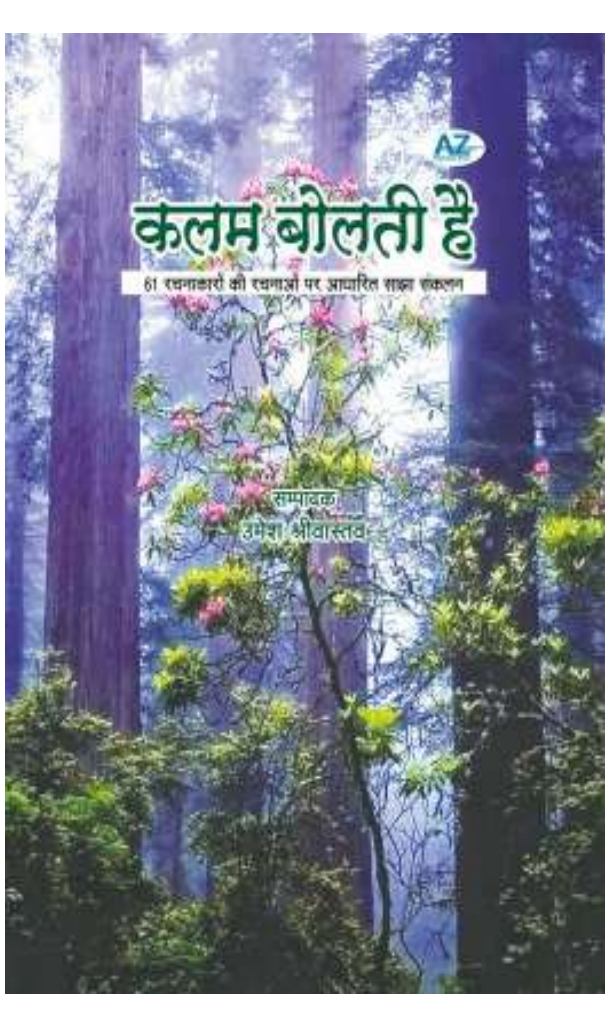

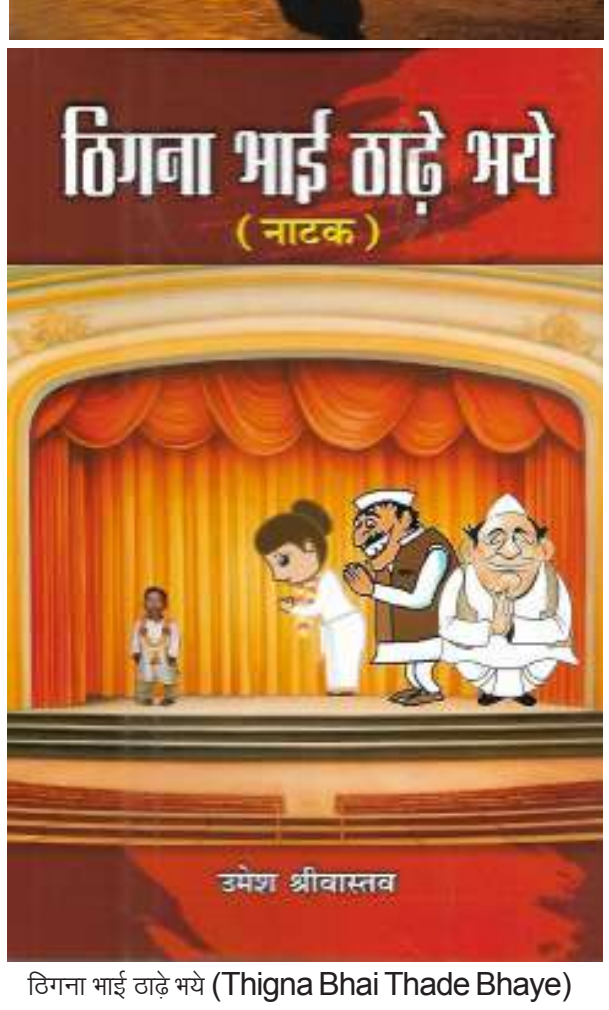

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दुनिया भर में दुश्मन हमसे डरते हैं, मादुरो के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से खुश होकर बोले ट्रंप

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य अड्डों में से एक फोर्ट ब्रैग में सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित किया। इस दौरान वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने वाले विशेष सैन्य अभियान में शामिल सेना के

जवानों की सराहना की। इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने (03 जनवरी) के साहसिक कार्रवाई का मतलब है कि पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिका की पूरी सैन्य शक्ति क्या कर सकती है। इतना ही नहीं ट्रंप ने आगे कहा कि इस कार्रवाई में यह निश्चित किया कि दुनिया भर में संभावित दुश्मन हमसे डरते हैं। फोर्ट ब्रैग में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि आपके कमांडर इन चीफ आपको पूरी तरह से सपोर्ट करते हैं। फिर उन्होंने अपने ही कैंपेन के एक नारे का इस्तेमाल करते हुए उनसे कहा, श्जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे, लड़ेंगे, लड़ेंगे। आप जीतेंगे, जीतेंगे, जीतेंगे। इसी के साथ राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी मुलाकातें भी कीं। हालांकि यह दौरा अमेरिकी सशस्त्र बलों का अभिनंदन करने के लिए आयोजित आधिकारिक दौरे से कहीं अधिक एक राजनीतिक रैली जैसा लगा। ट्रंप ने मादुरो को सत्ता से हटाने वाले हमले की प्रशंसा तभी की जब उन्होंने माइकल व्हाटली को मंच पर बुलाया, जो रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हैं और उन्हें राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है, क्योंकि वे अब उत्तरी कैरोलिना से सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। बता दें कि 3 जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में घुसकर गिरफ्तार किया था। इसी के साथ उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को भी हिरासत में लिया। और वहां से अमेरिका ले जाया गया। मादुरो पर अमेरिका ने मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाया है, जिसके तहत वो अमेरिका के कानून का सामना कर रहे हैं।

निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल की जेल, आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका में 24 साल जेल की सजा सुनाई गई है। निखिल

गुप्ता को शुक्रवार को दोषी ठहराया गया था और उसे 24 साल तक की जेल की सजा सुनाई गई है। मामले में एफबीआई ने बताया कि यह मामला दिखाता है कि वे विदेशी नागरिकों द्वारा अमेरिका में नागरिकों को धमकाने या नुकसान पहुंचाने के प्रयासों के खिलाफ लगातार सतर्क हैं। एफबीआई का कहना है कि निखिल गुप्ता ने हत्या के लिए पैसे देने, हत्या की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने की पूरी जिम्मेदारी मानी है। उनका दोष संयुक्त राज्य की अदालत में स्वीकार किया गया वहीं एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर रोमन रोजहावस्की ने कहा कि अमेरिकी नागरिक को सिर्फ स्वतंत्रता से अपनी राय रखने के कारण निशाना बनाया गया था, लेकिन कानून ने समय रहते इसे रोका। बता दें कि इस मामले में अमेरिका की न्याय विभाग ने बताया कि निखिल गुप्ता को एक भारतीय सरकारी कर्मचारी (जिसका नाम मामले में नहीं बताया गया) ने भर्ती किया था ताकि पन्नून की हत्या के लिए हिटमैन की व्यवस्था की जा सके। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने साजिश को फेल कर दिया। इसके अलावा, भारत की विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अब निखिल गुप्ता भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। गौरतलब है कि गुरुपतवंत सिंह पन्नूं भारत द्वारा आतंकवादी घोषित हैं और इसके पास अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता भी है।

कैरिबियाई सागर में ड्रग तस्कर जहाज पर अमेरिका का हमला, तीन की मौत, सामने आया घातक वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई सागर में कथित ड्रग तस्करी में लिप्त एक जहाज को निशाना बनाया। इस हमले में तीन तस्कर की मौत का दावा किया गया है, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। अमेरिकी सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि उसने कैरेबियन सागर में ड्रग्स की तस्करी के आरोपी एक जहाज पर घातक हमला किया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर इस हमले से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि एक ही झटके में पूरे जहाज को खत्म कर दिया। हमले का वीडियो साझा करते हुए अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर बताया कि 13 फरवरी को कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित एक पोत पर घातक सैन्य हमला किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

बांग्लादेश चुनाव में हिंदू: 79 उम्मीदवारों की थी दावेदारी, जीते सिर्फ चार्य कैसे बदल गया 20 साल का आंकड़ा ?

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश में 18 महीनों के राजनीतिक संघर्ष और घमासान के बाद हुए 13वें संसदीय चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने जोरदार जीत दर्ज की है। पार्टी ने 299 में से 211 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की राह बनाई है और इसके नेतृत्व में तारिक रहमान हैं। यह जीत बीएनपी के लिए दो दशक में सबसे बड़ी वापसी का प्रतीक मानी जा रही है। हालांकि, इन नतीजों के बीच सबसे ध्यान खींचने वाली बात है अल्पसंख्यकों का सीमित प्रतिनिधित्व रहा। इस पूरे चुनाव में केवल चार अल्पसंख्यक तीन हिंदू और एक आदिवासी उम्मीदवार ही जीतकर संसद में अपनी जगह बनाने में सफल रहे। यह आंकड़ा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक भागीदारी के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हिंदू आबादी देश की कुल जनसंख्या का लगभग 8: है। पिछले 20 वर्षों में अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व आम

तौर पर 14 से 20 सीटों तक रहता था, लेकिन इस बार यह संख्या बेहद कम रहा। चुनाव में कुल 79 अल्पसंख्यक उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें बीएनपी के चार विजयी हुए। इसके अलावा, जमात–ए–इस्लामी का हिंदू उम्मीदवार हार गया। यह परिणाम न केवल अल्पसंख्यकों की राजनीतिक भागीदारी पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि देश की बदलती राजनीतिक तस्वीर को भी उजागर करते हैं। इतना ही नहीं विशेषज्ञों का तो यह भी मानना है कि इस जीत और हार का संकेत यह देता है कि बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा और प्रतिनिधित्व अभी भी चुनौतीपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। बात अगर विजेता उम्मीदवारों की करें तो इसमें सबसे पहला नाम बीएनपी के वरिष्ठ नेता गायेश्वर चंद्र रॉय है। रॉय ने ढाका–3 सीट से जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को लगभग 99 हजार वोटों से हराया। यह जीत खास इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि हाल में हिंदू समुदाय के खिलाफ कुछ घटनाएं हुई थीं। वहीं दूसरे हिंदू विजेता उम्मीदवार की बात करें तो मगुरा–2 सीट से बीएनपी की उपाध्यक्ष निताई रॉय चौधरी ने भी आसानी से जीत दर्ज की। उन्हें लगभग 1,47,896 वोट मिले। जो जमात–ए–इस्लामी के मुस्तर्शीद बिल्लाह से अधिक थे, जिन्हें 1,17,018 वोट मिले थे। वे पार्टी में अल्पसंख्यक समुदाय का प्रभावशाली चेहरा मानी जाती हैं। वहीं तीसरे उम्मीदवार के रूप में बीएनपी के एडवोकेट दीपेन दीवान ने जीत दर्ज की है। उन्होंने रंगामती सीट से करीब 31 हजार वोट लेकर जीत हासिल की। उन्हें कुल 31,222 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, निर्दलीय उम्मीदवार पाहेल चकमा, को 21,544 वोट ही मिले। इसके साथ ही, सचिन प्रू चौथे बीएनपी उम्मीदवार हैं, जिन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए संसद में जगह बनाई। प्रू ने बंदरबन निर्वाचन क्षेत्र से कुल 1,41,455 वोट हासिल किए। इसके उलट बांग्लादेश चुनाव में जमात–ए–इस्लामी का एकमात्र हिंदू उम्मीदवार कृष्णा नंदी को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने खुलना–1 सीट से चुनाव लड़ा और 70,346 वोट प्राप्त किए, लेकिन बीएनपी के उम्मीदवार से पीछे रह गए। इसका मतलब है कि इस चुनाव में जमात द्वारा नामांकित कोई भी अल्पसंख्यक उम्मीदवार सफल नहीं हुआ। गौरतलब है कि इस चुनाव में लगभग 79 अल्पसंख्यक उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें राजनीतिक दलों के उम्मीदवार और स्वतंत्र उम्मीदवार दोनों शामिल थे। इनमें 10 महिलाएं भी थीं। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, संसद में सीटों की कुल संख्या के मुकाबले अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित है। कुल 60 पंजीकृत राजनीतिक दलों में से 22 ने अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को मैदान में उतारा, जिनमें लगभग 68 उम्मीदवार थे। बीएनपी ने 6 अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को उतारा, जिनमें से 4 विजयी रहे। वहीं, बांग्लादेश की कम्युनिस्ट पार्टी ने सबसे अधिक अल्पसंख्यक उम्मीदवार मैदान में उतारे। चुनावी प्रक्रिया में स्वतंत्र अल्पसंख्यक उम्मीदवारों की भागीदारी भी देखने को मिली, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अल्पसंख्यक समुदाय चुनाव में सक्रिय रहा। ऐसे में अब 13वें संसदीय चुनाव के नतीजों के आधार पर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बदलने का निर्णय लिया जाएगा।

शांति के लिए कभी तैयार नहीं होगा रूस ?: नाटो में अमेरिकी राजदूत के बयान से बढ़ी हलचल, समझिए क्या हैं इसके मायने

बर्लिन, एजेंसी। करीब चार साल से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। कई दौर की शांति वार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद मोर्चे पर तनाव कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। अब ऐसे में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अमेरिका के प्रतिनिधि मैथ्यू व्हिटेकर का रूस को लेकर सामने आए बयान ने पूरे मामले को एक अलग मोड़ दे दिया है। उनका कहना है कि रूस शायद कभी भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करने को तैयार नहीं होगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब इस युद्ध को शुरू हुए लगभग चार साल होने वाले हैं। अमेरिकी राजदूत मैथ्यू व्हिटेकर ने ये बात जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के एक पैनल में कही। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता

कि रूस किसी समझौते के लिए तैयार है। व्हिटेकर ने कहा कि मेरी समझ से यूक्रेन इस समय एक उचित और परिस्थितियों के हिसाब से न्यायसंगत समझौते के लिए तैयार है। लेकिन मुझे इस बात का विश्वास नहीं है कि रूस वास्तव में समझौता करना चाहता है या कभी कर पाएगा। बता दें कि राजदूत का यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से बिल्कुल अलग है। ट्रंप ने उसी दिन कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को तेजी से कदम उठाने होंगे, क्योंकि रूस समझौता करना चाहता है। ट्रंप लगातार इस युद्ध को खत्म करने की बात करते रहे हैं। फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच भीषण संघर्ष जारी है। हालांकि अमेरिका की मध्यस्थता में अब तक हुई बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। अब समझिए रूस की शर्तें और यूक्रेन का रुख रूस अब भी यूक्रेन से बड़े क्षेत्रीय और राजनीतिक समझौते की मांग कर रहा है। मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन अपने पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र से सेना हटा ले। लेकिन कीव ने इन मांगों को मानने से इनकार कर दिया है और इसे आत्मसमर्पण जैसा कदम बताया है। यूक्रेन का कहना है कि किसी भी युद्धविराम या समझौते से पहले उसे पश्चिमी देशों से मजबूत सुरक्षा गारंटी चाहिए, ताकि भविष्य में रूस फिर से हमला न कर सके। गौरतलब है कि इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका के भीतर भी अलग–अलग राय सामने आ रही हैं। एक ओर जहां कुछ नेता मानते हैं कि रूस समझौते के लिए तैयार है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राजनयिकों को रूस की मंशा पर संदेह है। फिलहाल युद्ध जारी है और दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आने वाले समय में कोई कूटनीतिक समाधान निकल पाएगा या संघर्ष और लंबा खिंचेगा।

ईरान के पास अमेरिका का एक और युद्धपोत तैनात, ट्रंप बोले- समझौता नहीं हुआ तो पड़ेगी जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्होंने ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते की कोशिशों के बीच मध्य पूर्व में दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि

अगर समझौता नहीं हो पाता है तो इसकी जरूरत पड़ेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने ये भी कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन श्सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती हैश, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन तेहरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात करने के तुरंत बाद कीं। इससे पहले दिन में उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी कि वह ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए मध्य पूर्व में दूसरा विमानवाहक पोत समूह तैनात कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़े विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड कैरेबियन सागर से मध्य पूर्व भेज रहा है। यह पहले से क्षेत्र में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके साथ मौजूद गाइडेड–मिसाइल विध्वंसकों के साथ जुड़ जाएगा। लिंकन बीते दो सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मौजूद है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस से उत्तर कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग के लिए रवाना होते समय कहा कि विमानवाहक पोत जल्द ही रवाना होगा। उन्होंने इस सप्ताह ईरान को चेतावनी दी थी कि समझौता न होने की स्थिति श्बहुत दर्दनाकश हो सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता हुई थी। इस बीच खाड़ी देशों ने चेतावनी दी है कि किसी भी हमले से क्षेत्रीय संघर्ष भड़क सकता है, खासकर ऐसे समय में जब क्षेत्र पहले से तनाव में है। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के लिए 40वें दिन की शोक सभाएं शुरू हो रही हैं, जिससे सरकार पर आंतरिक दबाव भी बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी बलों ने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया था, जो लिंकन के करीब पहुंचा था। उसी दिन ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक अमेरिकी ध्वज वाले जहाज को रोकने की कोशिश की थी। यूएसएस फोर्ड को पिछले साल अक्टूबर में भूमध्य सागर से कैरेबियन भेजा गया था, जहां वह वेनेजुएला से जुड़ी सैन्य कार्रवाई की तैयारी का हिस्सा था। अब इसे दोबारा तैनात किया जा रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा है कि बलों की तैनाती में बदलाव के बावजूद पश्चिमी गोलार्ध में उनकी परिचालन क्षमता प्रभावित नहीं होगी। इससे पहले ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी लंबी बातचीत की थी। इसके बाद उन्होंने ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। नेतन्याहू चाहते हैं कि किसी भी समझौते में ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करे। साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों का समर्थन बंद करे।

पीएम के अधिकार सीमित, बढ़ेगी राष्ट्रपति की ताकतय महिलाओं का दबदबा होगा कायमय क्या है जुलाई चार्टर?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 13वां आम चुनाव इस लिहाज से काफी अलग था कि लोगों ने सिर्फ नई सरकार चुनने के लिए ही वोट नहीं डाला बल्कि यह फैसला भी सुनाया कि सत्ता की राजनीति का स्वरूप क्या होना चाहिए। इसके बाद देश में राष्ट्रपति की ताकत बढ़ना तय माना जा रहा है। दरअसल, लोगों ने जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह का बड़े पैमाने पर समर्थन करके जता दिया है कि नए प्रधानमंत्री के अधिकार सीमित होने चाहिए और संसद में ऊपरी सदन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। बांग्लादेश में संसदीय चुनाव के साथ एक जनमत संग्रह भी कराया गया। इसमें लोगों से पूछा गया था कि वे जुलाई चार्टर को लागू करने में पक्ष में हैं या नहीं। जया के सियासी परिदृश्य से बाहर होने के बाद हुए इस चुनाव में लोगों ने जिस जुलाई चार्टर का खुलकर समर्थन किया, उसमें यह भी कहा गया है कि संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। जुलाई चार्टर सांविधानिक बदलावों पर अमल करने के जुड़ा 28 पृष्ठ का एक राजनीतिक समझौता है जिस पर 25 राजनीतिक दलों और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य बांग्लादेश को भविष्य में तानाशाही राजनीति की वापसी को रोकना है। 2024 के विद्रोह के बाद उठी मांगों के आधार पर तैयार किए गए जुलाई चार्टर के कुछ प्रावधान तो सरकारी आदेशों के जरिये लागू हो सकते हैं लेकिन कुछ में संविधान संशोधन की जरूरत पड़ेगी। जनमत संग्रह देश के सभी 64 जिलों में कराया गया था, जिसे शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में भरपूर समर्थन मिला। इसमें कुल मिलाकर 84 सुधारों का प्रावधान किया गया। माना जा रहा है ।

अमेरिका में 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता, तलाश तेज, अंजा झील के पास देखा गया आखिरी बार

वॉशिंगटन, एजेंसी।अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ रहे एक 22 वर्षीय भारतीय छात्र की लापता होने की खबर सामने आई है। कर्नाटक के साकेत श्रीनिवासैया कैलिफोर्निया

में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं। जो कि मंगलवार यानी 10 फरवरी से लापता है। ऐसे में छात्र की तलाश तेज कर दी गई है। साकेत के लापता होने की खबर की पुष्टि करते हुए सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। दूतावास ने एक्स पोस्ट में छात्र को ढूंढने के लिए वह उसके परिवार और स्थानीय अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में होना की बात कही है। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि कर्नाटक के रहने वाले और यूसी बर्कले के छात्र साकेत श्रीनिवासैया मंगलवार को लापता हो गए। बर्कले स्कैनर समाचार पोर्टल के अनुसार साकेत का बैग, जिसमें पासपोर्ट और लैपटॉप था पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला। पुलिस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीनिवासैया को आखिरी बार ड्वाइट वे के 1700 ब्लॉक में देखा गया था। उनका कद लगभग 6 फीट 1 इंच, वजन लगभग 73 किलोग्राम, छोटे काले बाल और भूरी आंखें बताई गई हैं। पुलिस ने श्रीनिवासैया के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करने का आग्रह किया है। इधर, श्रीनिवासैया के साथ रहने वाले बनेत सिंह ने अपने दोस्त पता लगाने में मदद मांगने के लिए एक पोस्ट किया। जिसमें उसने बताया कि उसे (साकेत) आखिरी बार बर्कले हिल्स में लेक अंजा के पास देखा गया था। उसने गुहार लगाते हुए कहा कि अगर मेरे किसी परिचित को इस इलाके में ऐसे लोग पता हों, जिन्होंने उसे हाल ही में देखा हो, तो कृपया मुझे कोई भी जानकारी दें। मैं पुलिस के साथ मिलकर उसे ढूंढने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। यह हमारे लिए बहुत मुश्किल समय है। कृपया कोई भी ऐसी जानकारी दें, जिससे मदद मिल सके।

47 साल से सिर्फ बातचीत होती रही, इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे, ईरान को ट्रंप की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच माहौल और तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। परमाणु समझौते पर ओमान की राजधानी मस्कट में दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता बेनतीजा रही, जिसके बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सख्त बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि 47 वर्षों से ईरान केवल वार्ता को टालता रहा है, जबकि कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए दो टूक कहा कि इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे। ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब अमेरिका ने दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोड को पश्चिम एशिया की तरफ मोड़ने का फैसला किया है।

उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।